दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

# असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 148 ■ दमण, शुक्रवार 27, फरवरी 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट


# मोदी-नेतन्याहू की बैठक में समझौता... भारत जल्द इजराइल के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट: इजराइल में चलेगा भारतीय यूपीआई

तेल अवीव(ईएमएस)। पीएम मोदी के इजराइल दौरे का आज दूसरा दिन है। इजराइल में भी अब भारत का यूपीआई पेमेंट सिस्टम चलेगा, इसे लेकर मोदी और इजराइली पीएम नेतन्याहू द्विपक्षीय मीटिंग में समझौता हुआ है। पीएम नेतन्याहू के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोदी ने कहा कि भारत जल्द इजराइल के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेगा। उन्होंने कहा कि इजराइल आना मेरे लिए गर्व की बात है। पीएम मोदी गुरूवार को सुबह सबसे पहले यरूशलम के होलोकॉस्ट मेमोरियल 'याद वाशेम' पहुंचे। यहां उन्होंने हिटलर के नाजी शासन में मारे गए 60 लाख यहूदियों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद मोदी इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मिले। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान इसाक ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है, जो पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है। वहीं, पीएम मोदी ने इजराइली राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता दिया।

**दुनिया में आतंकवाद की कोई जगह नहीं:** पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इजराइल इस बात पर पूरी तरह सहमत हैं कि दुनिया में आतंकवाद की कोई जगह नहीं है। किसी भी रूप में आतंकवाद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हम अब तक कंधे से कंधा मिलाकर आतंकवाद और उसका समर्थन करने वालों के खिलाफ खड़े रहे हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता भारत की सुरक्षा से सीधे जुड़ी है। इसलिए हमने हमेशा बातचीत और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही ग्लोबल साउथ और पूरी मानवता की भी मांग है। गाजा पीस प्लान से शांति की दिशा में एक रास्ता बना है। भारत ने इन प्रयासों का पूरा समर्थन किया है। आगे भी हम सभी देशों के साथ बातचीत और सहयोग जारी रखेंगे।

**भारत-इजराइल क्षेत्रीय कनेक्टिविटी तेजी से बढ़ाने पर जोर देंगे:** पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के युवाओं, रिसर्चर्स और नए विचारों पर काम करने वाले लोगों को आपस में जोड़ना हमारी बड़ी प्राथमिकता रही है। इसी दिशा में आज हम इंडिया-इजराइल अकादमिक फोरम की स्थापना कर रहे हैं, ताकि शिक्षा और रिसर्च के क्षेत्र में सहयोग और मजबूत हो सके। आज हमने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए हम इंडिया मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर और इंडिया-इजराइल-यूएई-यूएसई समूह यानी आई2यू2 को नई गति से आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। इजराइली तकनीक से लाखों भारतीय किसानों को फायदा होगा पीएम मोदी ने कहा कि इजराइल की नई तकनीक भारत के गांव-गांव तक पहुंचेगी और लाखों किसानों की आय और उत्पादन दोनों बढ़ेंगे। हम मिलकर भविष्य के लिए तैयार खेती के नए समाधान भी विकसित करेंगे। भारत में इंडिया-इजराइल इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीकल्चर की स्थापना इस सहयोग को और मजबूत आधार देगी।

**भारत में 100 सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस बनाने का टारगेट:** पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इजराइल के बीच कृषि के क्षेत्र में लंबे समय से अच्छा और सफल सहयोग रहा है। आज हमने तय किया है कि इस सहयोग को भविष्य की जरूरतों के मुताबिक नई दिशा दी जाएगी। इजराइल की मदद से भारत में बनाए गए सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस हमारी दोस्ती का बेहतरीन उदाहरण हैं। इनकी सफलता को देखते हुए हमने ऐसे केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 100 तक करने का लक्ष्य रखा है। साथ ही अब विलेजेस ऑफ एक्सीलेंस बनाने पर भी काम हो रहा है।

**इनोवेशन करने वाले देशों का ही भविष्य है: नेतन्याहू:** नेतन्याहू ने कहा कि आज शिक्षा के क्षेत्र में नई तकनीक और एआई की मदद से हर छात्र तक आसानी से पहुंचा जा सकता है और उसे उसकी पूरी क्षमता तक आगे बढने का मौका दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पहले जो परेशानियां और सीमाएं थीं, अब वे नहीं रहीं। उन्होंने कहा कि भविष्य उन्हीं देशों का है जो नई सोच और नए काम करते हैं। इजराइल और भारत दोनों ही नए विचार और तकनीक पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश बहुत पुरानी और महान सभ्यताएं हैं, जिन्हें अपने इतिहास पर गर्व है, लेकिन वे भविष्य को बेहतर बनाने के लिए भी पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भारत और इजराइल मिलकर यह काम और बेहतर तरीके से कर सकते हैं।

**भारत-इजराइल रिश्ते और मजबूत होंगे:** दोनों देशों के रिश्ते भरोसे, लोकतंत्र और इंसानी मूल्यों पर बने हैं। अब इस रिश्ते को स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप का दर्जा देने का फैसला हुआ है। यह दोनों देशों के लोगों की उम्मीदों को दर्शाता है।

**व्यापार और टेक्नोलॉजी में सहयोग:** दोनों देश व्यापार और निवेश बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। जल्द ही फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पूरा करने की कोशिश होगी। एआई, क्वांटम टेक्नोलॉजी और जरूरी खनिज जैसे क्षेत्रों में साथ काम होगा। इजराइल में यूपीआई इस्तेमाल के लिए समझौता हुआ है।

**रक्षा, अंतरिक्ष और ऊर्जा सहयोग:** रक्षा क्षेत्र में दोनों दोशों का भरोसेमंद सहयोग है, जिसे और बढ़ाया जाएगा। जॉइंट डेवलपमेंट, प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर काम होगा। सिविल न्यूक्लियर एनर्जी और स्पेस सेक्टर में भी साझेदारी बढ़ेगी।

**किसानों और गांवों के लिए नई पहल :** कृषि क्षेत्र में दोनों देशों का सहयोग पहले से सफल रहा है। भारत में इजराइल की मदद से बने सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस की संख्या 100 तक बढ़ाई जाएगी। गांव-गांव तक नई खेती तकनीक पहुंचाने के लिए विलेज ऑफ एक्सीलेंस बनाए जाएंगे। इससे किसानों की आय और उत्पादन बढ़ेगा।

**लोगों और युवाओं को जोडने पर जोर :** भारतीय कामगारों ने इजराइल में मेहनत से भरोसा जीता है। अब सहयोग को कॉमर्स और सर्विस सेक्टर तक बढ़ाया जाएगा। युवाओं और रिसर्चर्स को जोड़ने के लिए इंडिया-इजराइल अकादमिक फोरम बनेगा।

# दमण-दीव के सांसद उमेश पटेल भारत-केन्या संसदीय मैत्री समूह के सदस्य नियुक्त

■ भारत-केन्या संसदीय मैत्री समूह का सदस्य नियुक्त किये जाने पर सांसद उमेश पटेल ने लोकसभा अध्यक्ष का जताया आभार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 26 फरवरी। दमण एवं दीव के लोकसभा सांसद उमेश पटेल को 18वीं लोकसभा की अवधि के लिए गठित भारत-केन्या संसदीय मैत्री समूह का सदस्य नामित किया गया है। यह नामांकन लोकसभा अध्यक्ष महोदय द्वारा किया गया है। लोकसभा सचिवालय (Conference & Protocol Branch), संसद भवन एनेक्सी नई दिल्ली द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार 11 सदस्यीय इस प्रतिष्ठित संसदीय समूह का गठन भारत और केन्या के बीच संसदीय, कूटनीतिक, व्यापारिक तथा सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया गया है। यह नियुक्ति दमण-दीव के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। सांसद उमेश पटेल की सक्रिय संसदीय भूमिका, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर उनकी स्पष्ट एवं प्रभावी भागीदारी को देखते हुए उन्हें इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए चुना गया है। भारत और केन्या के बीच दशकों पुराने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश सहयोग, समुद्री सुरक्षा और ब्लू इकोनॉमी, फार्मास्यूटिकल एवं स्वास्थ्य क्षेत्र सहयोग, शिक्षा और तकनीकी साझेदारी, भारतीय प्रवासी समुदाय की मजबूत उपस्थिति जैसे महत्वपूर्ण आयाम शामिल हैं। यह नियुक्ति न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि दमण एवं दीव के नागरिकों के लिए भी गर्व का विषय है। सांसद उमेश पटेल ने कहा कि मैं इस जिम्मेदारी के लिए लोकसभा अध्यक्ष महोदय का आभार व्यक्त करता हूं। यह अवसर भारत की वैश्विक मित्रता को सशक्त करने और हमारे तटीय एवं औद्योगिक क्षेत्रों के हितों को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रभावी रूप से रखने का माध्यम बनेगा। सांसद उमेश पटेल ने पूर्व में ब्रिटिश पार्लियामेंट में Good Governance विषय पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, जहाँ उन्होंने न केवल राष्ट्र का बल्कि अपने प्रदेश का भी गौरव बढ़ाया था। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उनके प्रभावी प्रतिनिधित्व को देखते हुए उन्हें पुनः एक महत्वपूर्ण संसदीय दायित्व सौंपा जाना उनके अनुभव और सक्रिय भूमिका का प्रमाण है।

## पाठ्यपुस्तक में न्यायिक भ्रष्टाचार: सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार के बाद एनसीईआरटी ने मांगी माफी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा आठ की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित एक विवादास्पद अध्याय को लेकर सुप्रीम कोर्ट की भारी नाराजगी के बाद बिना शर्त माफी मांग ली है। शीर्ष अदालत द्वारा इस सामग्री को बेहद परेशान करने वाला और संविधान के बुनियादी ढांचे पर हमला करार दिए जाने के बाद परिषद पूरी तरह बैकफुट पर आ गई है। एनसीईआरटी ने स्पष्ट किया है कि संबंधित अध्याय में अनुचित पाठ्य सामग्री और निर्णय की त्रुटि अनजाने में शामिल हो गई थी, जिसे अब उपयुक्त अधिकारियों के परामर्श से पूरी तरह से फिर से लिखा जाएगा। इस विवाद के बीच परिषद ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट से इस पुस्तक को हटा दिया है और इसकी प्रतियों का वितरण भी तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है।

इस संवेदनशील मामले का जन्म तब हुआ जब मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें जस्टिस जोयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली शामिल थे, ने पाठ्यपुस्तक की सामग्री पर स्वतः संज्ञान लिया। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी द्वारा मामले की गंभीरता की ओर ध्यान दिलाए जाने के बाद अदालत ने इस पर तत्काल सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने के किसी भी प्रयास पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि संस्थान के प्रमुख के रूप में यह उनकी जिम्मेदारी है कि वह निष्पक्षता की रक्षा करें। उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए यहाँ तक कहा कि यह प्रकरण एक सोची-समझी चाल प्रतीत होती है, जिससे न केवल बार बल्कि बेंच के सदस्य भी अत्यंत चिंतित हैं। जस्टिस बागची ने इसे और अधिक गंभीर बताते हुए कहा कि ऐसी सामग्री विद्यार्थियों के मन में संवैधानिक संस्थाओं के प्रति गलत धारणा पैदा करती है, जो सीधे तौर पर संविधान के मूल ढांचे के विरुद्ध है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कक्षा आठ के इस अध्याय में समाज में न्यायपालिका की भूमिका पर चर्चा के दौरान न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार जैसे संवेदनशील उपविषय को शामिल किया गया था। इसमें न्यायिक बुनियादी ढांचे की कमी और लंबित मामलों की चुनौतियों का भी जिक्र था, लेकिन प्रस्तुतीकरण के तरीके को अदालत ने अपमानजनक माना। विवाद बढ़ता देख एनसीईआरटी के वरिष्ठ अधिकारियों ने सफाई देते हुए कहा कि उनका इरादा किसी भी संवैधानिक संस्था के अधिकार क्षेत्र को कमतर करने का कभी नहीं था। परिषद ने दोहराया कि वह न्यायपालिका को मौलिक अधिकारों के रक्षक के रूप में सर्वोच्च सम्मान देती है। अब इस सामग्री में सुधार किया जाएगा और संशोधित पाठ्यपुस्तक को शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत में छात्रों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। फिलहाल, पुराने स्टॉक को वापस लेने और डिजिटल प्लेटफॉर्म से सामग्री हटाने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

## संघ की अहम बैठक में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन पहली बार करेंगे शिरकत

### -इस बैठक से पहले बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में हो सकते हैं कुछ बड़े फेरबदल

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की अहम बैठक अगले महीने हरियाणा के समालखा में आयोजित होने जा रही है। इस बैठक में भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन पहली बार शिरकत करेंगे। जनवरी 2026 में बीजेपी की कमान संभालने के बाद नितिन नबीन का यह पहला आधिकारिक संघ दौरा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इस बैठक से पहले बीजेपी के संगठनात्मक ढांचे में कुछ बड़े फेरबदल हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माना जा रहा है कि समालखा बैठक में बीजेपी के प्रतिनिधि मंडल में कई नए चेहरे देखने को मिल सकते हैं। यह बदलाव आगामी चुनावों और संगठन को नई ऊर्जा देने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। समालखा बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु संघ के शताब्दी वर्ष से संबंधित कार्यक्रमों की समीक्षा करना है। देश भर में चलाए गए अभियानों, गृह-संपर्क और शताब्दी निमित्त आयोजनों से प्राप्त अनुभवों को यहां साझा किया जाएगा। प्रतिनिधि सभा की इस बैठक में वर्ष 2025-26 के दौरान किए गए कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही आगामी वर्ष के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्ययोजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा होगी। बैठक में सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्ताव पारित होने की उम्मीद है। इस बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत संघ के सभी शीर्ष पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही बीजेपी समेत संघ से प्रेरित विभिन्न 32 संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी भी इस विचार-मंथन में हिस्सा लेंगे।

## झारखंड में दो बस आमने-सामने टकराई, कई यात्री घायल, कई गंभीर

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गोड्डा जिले के बोआरीजोर थाना क्षेत्र में गुरुवार अल सुबह दो बसों की आमने-सामने टक्कर हो गई जिसमें कई यात्री घायल हो गए। यह हादसा बांसभीट्टा गांव के पास गुरुवार सुबह हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बसों का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। गंभीर रूप से घायलों को रेफर किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर काफी भीषण थी। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस हादसे में जनहानि नहीं हुई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगा रही है।

## बिहार में बच्चा चोरी की अफवाहों पर सख्त नीतीश की पुलिस... आमजन से की ये खास अपील

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस ने बच्चा चोरी की अफवाहों से बढ़ते खतरे के मद्देनजर सभी जिलों के थानों को अलर्ट कर दिया है। पुलिस ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी बच्चे के गुम होने की सूचना मिलने पर तुरंत जांच की जाए। यदि कोई बच्चा 24 घंटे तक गुम रहता है, तब उसके मामले में केस दर्ज करना अनिवार्य है। पुलिस ने बताया कि पिछले दो दिनों में बच्चा चोरी के पांच मामले सामने आए, जिसमें मुजफ्फरपुर के दो और जमुई, पूर्णिया तथा नालंदा के एक-एक मामले शामिल थे। जांच में सभी मामले अफवाह साबित हुए। उन्होंने चेतावनी दी कि बच्चा चोरी की खबरें बहुत तेजी से फैलती हैं और भीड़ जुटने से मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, जिससे निर्दोष लोग भी प्रभावित हो सकते हैं। इस वर्ष अब तक राज्य में 14,699 गुमशुदगी के मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 12,526 बालिकाएं और 2,173 बालक शामिल हैं। पुलिस ने 7,772 बच्चों को बरामद कर लिया है, जबकि 6,927 बच्चे अभी भी गुम हैं। चार महीने तक बच्चे बरामद न होने पर मामला एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को ट्रांसफर कर दिया जाता है। यह यूनिट सभी जिलों में सक्रिय है और इसतरह के मामलों की विशेष निगरानी करती है। पुलिस के आला अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि बच्चा चोरी की किसी भी सूचना पर कानून अपने हाथ में न लें। ऐसी स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करें और डायल-112 या नजदीकी थाने से संपर्क करें। जनता की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अफवाहों और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं को रोका जा सकता है।

## बीजेपी ने पोस्टर लगाकर राहुल गांधी पर बोला हमला... अराजकता का तरीका एक, बस चेहरे बदलते रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में एआई समिट में हुए हंगामे पर भाजपा ने फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा ने राहुल गांधी की तुलना 2020 दंगे के आरोपी उमर खालिद से कर दिल्ली भाजपा ऑफिस के बाहर एक पोस्टर लगाया। इसमें लिखा कि अराजकता का तरीका एक, बस देश विरोधी चेहरे बदलते रहते हैं। पोस्टर में एक ओर उमर खालिद हैं जिसमें उमर को सीएए के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए दिखाया गया है। वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी हैं उनके आगे शर्टलेस कार्यकर्ता की तस्वीरें जो एआई समिट का विरोध कर रहे हैं। ये पोस्टर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने लगवाए हैं। उधर एआई इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें मंगलवार सुबह पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस मामले में अब तक 8 गिरफ्तारी हो चुकी हैं।

## बाबा विश्वनाथ के दर्शन को पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, शंकराचार्य विवाद पर बचते दिखे

वाराणसी (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। उन्होंने काशी के कोतवाल काल भैरव की भी पूजा-अर्चना की। दर्शन के पश्चात मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सौभाग्य से बाबा विश्वनाथ के दर्शन प्राप्त हुए हैं। मेरी यही कामना है कि बाबा सभी पर अपनी कृपा और आशीर्वाद की वर्षा करें। देश की जनता सुखी व निरोग रहे और सभी का कल्याण हो। एक वैभवशाली, समृद्धशाली और गौरवशाली भारत के निर्माण में हर नागरिक अपना योगदान दे और भारत पूरे विश्व को शांति का संदेश दे-बाबा के चरणों में यही प्रार्थना है। वहीं, शंकराचार्य से जुड़े मुद्दे पर पूछे गए सवाल को टालते हुए उन्होंने कहा कि यहाँ राजनीति की कोई जगह नहीं है, वह केवल भक्ति के भाव में डूबे हैं। यहां भाजपा और कांग्रेस सभी बराबर हैं। मंदिर में दर्शन के उपरांत केंद्रीय मंत्री सीधे अराजीलाइन विकास खंड के शहंशाहपुर स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के लिए रवाना हो गए, जहाँ वे विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के साथ बैठक करेंगे।

## यूट्यूबर कोमाली ब्रेकअप के बाद तनाव में थीं, जांच के बाद पुलिस ने किया खुलासा

### -हैदाराबाद में एक अपार्टमेंट में पंखे से लटकी मिली थी लाश, मां को किया था मैसेज

हैदराबाद (एजेंसी)। पार्ट-टाइम यूट्यूबर बोनू कोमाली ने खुदकुशी कर ली है। कोमाली मूल रूप से आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम की रहने वाली थीं और पिछले 11 महीनों से हैदराबाद के एक अपार्टमेंट में अकेले रहकर बीएससी की पढ़ाई कर रही थीं। वह यूट्यूब पर अपनी लाइफस्टाइल से जुड़े वीडियो शेयर करती थीं। पुलिस जांच में सामने आया है कि खुदकुशी से ठीक पहले कोमाली का अपने बॉयफ्रेंड के साथ विवाद हुआ था। इसके बाद उन्होंने कुवैत में रह रही अपनी मां को आखिरी मैसेज भेजा, जिसमें लिखा था- आई लव यू मम्मी सो मच, छोटे भाई का ख्याल रखना। जब मां के फोन करने पर भी कोमाली ने कॉल नहीं उठाया, तो उन्होंने एक दोस्त को घर भेजा। वहां दरवाजा तोड़ने पर कोमाली का शव पंखे से लटका मिला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में कोमाली पिछले तीन साल से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ रिश्ते में थीं, जो खुद भी एक यूट्यूबर है। खबर है कि हाल ही में दोनों का ब्रेकअप हो गया था, जिसके कारण वह काफी तनाव में थीं।

## सुप्रिया सुले और संजय राऊत लोकसभा में उठाएंगे अजीत पवार की मौत का मामला

**मुंबई (एजेंसी)।** शरद पवार गुट के नेता रोहित पवार ने एनसीपी के वरिष्ठ नेता अजित पवार के 28 जनवरी 2026 को हुए विमान हादसे की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग फिर उठा दी है। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना को लेकर कई तरह की शंकाएं हैं और बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के पूरी जांच जरूरी है, लेकिन फिलहाल ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा। रोहित पवार ने कहा कि लोकसभा में सांसद सुप्रिया सुले और अमोल कोल्हे इस मामले पर आवाज उठाएंगे, जबकि राज्यसभा में वरिष्ठ शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत से भी इस मुद्दे को उठाने का आग्रह किया गया है। उन्हें इस संबंध में विस्तृत पत्र भी सौंपा गया है। उन्होंने हादसे से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा रोहित पवार केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक जांच पूरी नहीं होती, मंत्री को पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि 28 जनवरी के घातक विमान हादसे में शामिल कंपनी वीएसआर को बचाने की कोशिश की गई। मुंबई स्थित विधान भवन में मीडिया से बातचीत में रोहित पवार ने जांच प्रक्रिया में समय सीमा और रिपोर्टों पर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि हादसे के दिन, जब अजित पवार का शव पोस्टमॉर्टम के लिए रखा गया था, उसी समय दोपहर 1÷36 बजे डीजीसीए ने शुरुआती रिपोर्ट जारी कर दी। रोहित पवार ने कहा कि लापरवाही के कारण हमने एक बड़े नेता खो दिया, जो सिर्फ उपमुख्यमंत्री नहीं बल्कि जनता के दिलों के मुख्यमंत्री थे। अजित बारामती जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव के प्रचार के लिए बारामती जा रहे थे, तभी विमान रनवे पर लैंड करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में अजित पवार के अलावा चार अन्य लोगों की भी मौत हुई।

## प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा: ओवैसी और कांग्रेस ने नीतिगत बदलाव को बताया विश्वासघात

**हैदराबाद (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्तमान इजरायल यात्रा को लेकर देश के भीतर राजनीतिक पारा गरमा गया है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी सहित मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस दौरे पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए इसे भारत की पारंपरिक विदेश नीति के साथ विश्वासघात करार दिया है। ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक विस्तृत पोस्ट में केंद्र सरकार के इस कदम की कठोर आलोचना की है। ओवैसी ने इजरायली नेतृत्व की ओर इशारा करते हुए उन्हें युद्ध अपराधी बताया, जिनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरफ्तारी वारंट की चर्चा है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे समय में इजरायल जाकर वहां के नेतृत्व के साथ गर्मजोशी दिखाना भारत द्वारा दशकों से फिलिस्तीनी अधिकारों के प्रति दिए जा रहे सैद्धांतिक और ऐतिहासिक समर्थन के विरुद्ध है। ओवैसी ने मध्य पूर्व के भू-राजनीतिक समीकरणों पर गंभीर आशंका जताते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री की यात्रा समाप्त होते ही अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने अपनी पोस्ट का समापन जायोनिज्म मुर्दाबाद के नारे के साथ करते हुए इजरायल की राजनीतिक विचारधारा के प्रति अपना कड़ा विरोध स्पष्ट किया।

सिर्फ ओवैसी ही नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी ने भी इस दौरे को लेकर सरकार पर तीखे हमले किए हैं। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की इस यात्रा को नैतिकता के विरोध में बताया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भारत के ऐतिहासिक रुख की याद दिलाते हुए कहा कि 20 मई 1960 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने गाजा में संयुक्त राष्ट्र आपातकालीन बल की भारतीय टुकड़ी से मुलाकात की थी। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत ने हमेशा फिलिस्तीन के साथ एकजुटता दिखाई है, चाहे वह 1981 में स्मारक डाक टिकट जारी करना हो या 1988 में औपचारिक रूप से फिलिस्तीन राष्ट्र को मान्यता देना। इसी क्रम में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इजरायली संसद नेसेट को संबोधित करते समय गाजा में मारे गए हजारों निर्दोष पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए न्याय की मांग करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत का इतिहास हमेशा सत्य, शांति और न्याय के साथ खड़े होने का रहा है और हमें दुनिया को यही रोशनी दिखानी चाहिए।

दूसरी ओर, प्रधानमंत्री अपनी इस दो दिवसीय ऐतिहासिक यात्रा के दौरान इजरायल के साथ संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। बेन गुरियन हवाई अड्डे पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा द्वारा किए गए भव्य स्वागत के बाद प्रधानमंत्री ने इजरायल की संसद नेसेट को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने गाजा शांति पहल को पूरे क्षेत्र के लिए न्यायपूर्ण और स्थायी शांति का एकमात्र मार्ग बताया। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के मुद्दे पर इजरायल के साथ अटूट एकजुटता व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर अडिग है। उन्होंने वैश्विक मंच से आह्वान किया कि आतंकवाद किसी भी रूप में हो, वह वैश्विक शांति के लिए खतरा है और इसका मुकाबला करने के लिए दोहरे मापदंड छोड़कर समन्वित वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता है। जहां सरकार इस दौरे को कूटनीतिक सफलता के रूप में देख रही है, वहीं विपक्ष इसे भारत की गुटनिरपेक्ष और फिलिस्तीन समर्थक छवि को नुकसान पहुँचाने वाला कदम मान रहा है।

## केंद्रीय मंत्री गडकरी ने दिल्ली में ग्रीन टैक्स बंद करने की वकालत की, पूछा- करोड़ों की वसूली का क्या हुआ?

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली की सीमाओं पर वाणिज्यिक वाहनों से वसूले जाने वाले पर्यावरण मुआवजा शुल्क को तत्काल समाप्त करने की जोरदार वकालत की है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने इस कर की वसूली की सार्थकता और इसके तहत एकत्रित भारी-भरकम धनराशि के वास्तविक उपयोग पर कड़े सवालिया निशान खड़े किए हैं। उन्होंने दिल्ली नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उंगली उठाते हुए पूछा है कि वर्षों से पर्यावरण के नाम पर वसूले गए करोड़ों रुपये आखिर कहां खर्च किए गए।

गडकरी ने खुलासा किया कि उन्होंने हाल ही में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की थी। इस बैठक के दौरान उन्होंने निगम से यह स्पष्ट करने को कहा कि इस विशेष शुल्क से प्राप्त आय का हरित गतिविधियों या प्रदूषण कम करने वाली योजनाओं में कितना निवेश किया गया। उनके अनुसार, अधिकारियों ने स्वीकार किया कि पर्यावरण सुधार की दिशा में कोई ठोस योगदान नहीं दिया गया है। जब गडकरी ने इस टोल वसूली के औचित्य पर सवाल उठाया, तो अधिकारियों ने इसे सुप्रीम कोर्ट के पुराने आदेश का हिस्सा बताया। इस पर मंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि इस धन का उपयोग निर्धारित लक्ष्यों के लिए नहीं हो रहा है, तो जनता और परिवहन क्षेत्र पर यह अतिरिक्त बोझ डालना अनुचित है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद दिल्ली में प्रवेश करने वाले भारी और वाणिज्यिक वाहनों पर ईसीसी लागू किया गया था। इसका मूल उद्देश्य प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों को शहर के भीतर आने से हतोत्साहित करना और प्राप्त राशि का उपयोग सार्वजनिक परिवहन व पैदल यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने में करना था। हालांकि, गडकरी का दावा है कि उनके मंत्रालय की जांच में सामने आया है कि एकत्रित राशि का उपयोग प्रदूषण नियंत्रण के बजाय निगम की वित्तीय स्थिति को संभालने और वेतन जैसे खर्चों के लिए किया जा रहा है।

इस वित्तीय संकट का समाधान सुझाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि यह पैसा नगर निकाय को चलाने के लिए अनिवार्य है, तो दिल्ली सरकार को निगम को सीधे अनुदान देना चाहिए। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे और सुप्रीम कोर्ट से इस पुराने आदेश पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे। गडकरी का यह रुख दिल्ली-एनसीआर के ट्रांसपोर्टरों के लिए बड़ी राहत की उम्मीद लेकर आया है। यदि यह शुल्क हटता है, तो इससे आवश्यक वस्तुओं की ढुलाई लागत में कमी आएगी और अंतरराज्यीय व्यापार सुगम होगा। अब देखना यह है कि दिल्ली सरकार और न्यायालय पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सुगमता के इस द्वंद्व पर क्या निर्णय लेते हैं।

## राज्यसभा चुनाव: महाराष्ट्र में एक सीट पर एमवीए में मच सकता है घमासान

### -आदित्य ठाकरे ने ठोका दावा, शरद पवार की दावेदारी से कांग्रेस भी टेंशन में

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राज्यसभा चुनाव में देशभर की 37 सीटों पर 16 मार्च को मतदान होना है, लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला महाराष्ट्र की सात सीटों को लेकर बन गया है। एनडीए जहां छह सीटें जीतती दिख रही है, वहीं एक सीट विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए प्रतिष्ठा और एकजुटता की परीक्षा बन गई है। एमवीए में शरद पवार की एनसीपी (एसपी), उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस शामिल हैं। मौजूदा विधानसभा गणित के मुताबिक तीनों दलों के पास मिलकर इतनी ताकत है कि वे एक उम्मीदवार को जिता सकते हैं, लेकिन इसके लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत होगी। ऐसे में सीट किसे मिले यही सबसे बड़ा सवाल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने विधायकों की संख्या के आधार पर राज्यसभा सीट पर दावा ठोका है। पार्टी का तर्क है कि 2020 में उसने एनसीपी को समर्थन दिया था, इसलिए इस बार उसका हक बनता है। पार्टी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और उन्हें दोबारा भेजने की मांग उठ रही है। वहीं कुछ नेताओं का मानना है कि खुद उद्धव ठाकरे को भी राज्यसभा भेजा जा सकता है।

दूसरी ओर शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है और एनसीपी (एसपी) उन्हें दोबारा सदन भेजने के पक्ष में है। उनकी बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने साफ कहा है कि पार्टी और कार्यकर्ता चाहते हैं कि शरद पवार ही फिर राज्यसभा जाएं। पार्टी नेताओं ने सहयोगी दलों से बातचीत के संकेत दिए हैं। यहीं से सियासी उलझन बढ़ जाती है। अगर सीट पवार को दी जाती है तो शिवसेना (यूबीटी) को पीछे हटना पड़ेगा। वहीं अगर शिवसेना को प्राथमिकता मिलती है तो एनसीपी (एसपी) में असंतोष की स्थिति बन सकती है।

कांग्रेस फिलहाल अपने पत्ते नहीं खोल रही है। पार्टी नेतृत्व गठबंधन की व्यापक रणनीति और संभावित भविष्य के समीकरणों को ध्यान में रखकर फैसला लेना चाहता है। कांग्रेस को एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित समीकरणों को लेकर भी सतर्कता है। माना जा रहा है कि कांग्रेस समर्थन के बदले विधान परिषद चुनावों में समायोजन चाहती है। इससे साफ है कि महाराष्ट्र की जो एक सीट सिर्फ राज्यसभा चुनाव नहीं, बल्कि महाविकास अघाड़ी के भीतर नेतृत्व, संतुलन और भविष्य की राजनीति का संकेत भी बनेगी। अब सबकी नजर गठबंधन की अगली बैठक और अंतिम फैसले पर टिकी हैं।

## दिल्ली हाईकोर्ट ने सैनिकों के हक में सुनाया फैसला- लाइफस्टाइल डिसऑर्डर कहकर नहीं रोक सकते दिव्यांग पेंशन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि सशस्त्र बलों के कर्मियों की दिव्यांगता पेंशन सिर्फ यह कहकर रोकी नहीं जा सकती कि बीमारी ÷लाइफस्टाइल डिसऑर्डर÷ है या पीस एरिया (शांतिपूर्ण तैनाती) में हुई। हाईकोर्ट ने माना कि सेना में सेवा हर परिस्थिति में तनावपूर्ण होती है और इससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

हाईकोर्ट में जस्टिस वी. कामेश्वर राव और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की डिवीजन बेंच ने आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) के उस आदेश को रद्द किया, जिसमें भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी की दिव्यांग पेंशन याचिका खारिज कर दी गई थी। याचिकाकर्ता उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) और कोरोनरी आर्टरी डिजीज से पीड़ित हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि बीमारी फील्ड एरिया में हुई या पीस पोस्टिंग में। असली सवाल यह है कि क्या बीमारी का संबंध सेवा परिस्थितियों से है। इस केस में मेडिकल बोर्ड यह स्पष्ट नहीं कर सका कि अफसर की बीमारियां सेवा से जुड़ी नहीं थीं।

कोर्ट ने विशेष रूप से कहा कि बिना ठोस वजह के बीमारी को ÷लाइफस्टाइल डिसऑर्डर÷ कहना कानूनन सही नहीं। मेडिकल बोर्ड ने भी माना था कि बीमारियां अधिकारी की लापरवाही या गलत आदतों से नहीं हुई थीं। मोटापा, धूम्रपान या शराब से जुड़े तर्क खारिज कर दिए गए क्योंकि रिपोर्ट में इन्हें कारण नहीं बताया गया था।

एएफटी द्वारा वजन और लाइफस्टाइल के आधार पर निष्कर्ष निकालना और हृदय रोग को सिर्फ पिछले 14 दिनों की ड्यूटी से जोड़ना भी तर्कसंगत नहीं माना गया। कोर्ट ने साफ किया कि बीमारी का मूल्यांकन पूरी सेवा अवधि और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर होना चाहिए।

40 साल की सेवा, 50 फीसद दिव्यांगता, अब पेंशन सुरक्षित

याचिकाकर्ता अफसर ने वायुसेना में 40 साल से अधिक सेवा दी और ज्वाइनिंग के समय पूरी तरह से फिट थे। उन्हें 1999 में हाइपरटेंशन और 2016 में गंभीर कोरोनरी आर्टरी डिजीज हुई, जिसके लिए ओपन-हार्ट सर्जरी करानी पड़ी। उनकी दिव्यांगता 50 फीसद आंकी गई थी, लेकिन पेंशन रोक दी गई थी। हाईकोर्ट ने याचिका मंजूर करते हुए अफसर को 50 प्रतिशत आजीवन दिव्यांग पेंशन देने का निर्देश दिया। साथ ही रिटायरमेंट की तारीख से बकाया भुगतान 8 सप्ताह के भीतर जारी करने और देरी होने पर 12 प्रतिशत सालाना ब्याज देने का आदेश भी दिया।

## पीयूष गोयल ने वैश्विक व्यापार और युवा शक्ति को भारत की विकास यात्रा की कुंजी बताया

**- भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे**

**मुंबई ।**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने 38 देशों के थ नौ मुक्त व्यापार समझौते पूरे किए हैं।

इन समझौतों से भारतीय व्यवसायों को वैश्विक व्यापार के दो-तिहाई हिस्से तक प्राथमिकता के साथ पहुंच मिली है। गोयल ने कहा कि इससे भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से बेहतर जुड़ पाएगा। मुंबई में आयोजित ईवाय इंटरपेन्योर आफ द ईयर अवार्ड के 27वें संस्करण में संबो धित करते हुए बताया कि 'आत्मनिर्भर भारत' का अर्थ वैश्विक जुड़ाव के साथ मजबूत और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाएं तैयार करना है। उन्होंने उद्योगपतियों और उद्यमियों से अपील की कि वे वैश्विक अवसरों को एमएसएमई, किसानों, निर्यातकों और मछुआरों तक पहुंचाएं। गोयल ने कहा कि भारत की युवा शक्ति और कुशल मानव संसाधन देश की विकास गाथा के केंद्र में हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों और उद्योग नेताओं से बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि जुनून, नवाचार और प्रतिभा भारत की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी ताकत हैं।

एआई पर उठ रही चिंताओं के संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा बल्कि बदल देगा। भारत हर साल लगभग 23 लाख एसटीईएम स्नातक तैयार करता है, जिससे युवाओं का बड़ा और अनुकूलनशील प्रतिभा भंडार तैयार है।

गोयल ने कहा कि एआई भारतीय व्यवसायों के लिए नए अवसर, मूल्यवर्धित काम, मजबूत निर्यात और वैश्विक एकीकरण लाएगा। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और सिस्टम गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी। कार्यक्रम में उन्होंने देशभर के प्रमुख उद्यमियों और स्टार्टअप संस्थापकों को पुरस्कार वितरित किए और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने के लिए सहयोग की अपील की।

## वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में आएगी टाटा सिएरा ईवी

**नई दिल्ली।**

फ्यूचरिस्टिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बाजार में आएगी। इससे पहले टाटा केवल इतना संकेत देती रही थी कि सिएरा ईवी अगले साल कभी भी लॉन्च हो सकती है, लेकिन अब पहली बार इसकी लॉन्चिंग को लेकर स्पष्ट समयरेखा सामने आ गई है। फिलहाल कंपनी ने सिएरा ईवी के आधिकारिक स्पेसिफिकेशन्स को गोपनीय रखा है और सिर्फ कुछ स्पाई शॉट्स ही सार्वजनिक हुए हैं। ऑटो सेक्टर की रिपोर्टों के अनुसार इसका प्लेटफॉर्म, पावरट्रेन और कई तकनीकी तत्व कर्व ईवी के साथ साझा किए जा सकते हैं, हालांकि फीचर्स, स्पेस और प्रीमियम अपील के मामले में सिएरा को कर्व ईवी से ऊपर पोजिशन किया जाएगा। इंडस्ट्री विशेषज्ञ मान रहे हैं कि नई पंच ईवी की एडवांस्ड बैटरी टेक्नोलॉजी को देखते हुए, सिएरा ईवी में भी बड़ा बैटरी पैक और बेहतर रियल-वर्ल्ड रेंज मिलने की पूरी संभावना है, जिससे यह मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में मजबूत दावेदार बन सकती है। सिएरा ईवी भारत में टाटा की सातवीं इलेक्ट्रिक कार होगी, जिससे कंपनी का ईवी पोर्टफोलियो और अधिक व्यापक हो जाएगा। टाटा पहले ही देश में सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं में शामिल है, और सिएरा ईवी उसके इलेक्ट्रिक बदलाव को नई दिशा दे सकती है।

इंटीरियर की बात करें तो इसमें ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप मिलने की उम्मीद है, जिसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, बड़ा इंफोटेनमेंट डिस्प्ले और पैसेंजर के लिए अलग स्क्रीन शामिल होगी। बेस मॉडल से ही इसे फीचर-रिच बनाने की योजना है। उच्च वेरिएंट्स में लेवल-2 अडास, कनेक्टेड कार फीचर्स, ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, पावर्ड सीट्स, एम्बिएंट लाइटिंग और प्रीमियम ऑडियो सिस्टम जैसे एडवांस फीचर्स मिलने की उम्मीद है। पैनोरमिक ग्लास रूफ और उच्च गुणवत्ता वाले इंटीरियर मटीरियल इसे और प्रीमियम बनाएंगे। एक्सटीरियर में भी ईवी-स्पेसिफिक अपग्रेड देखने को मिलेंगे, जैसे क्लोज्ड फ्रंट डिज़ाइन, फुल-विड्थ एलईडी डीआरएल, स्प्लिट हेडलैंप, स्क्वायर्ड व्हील आर्च और कनेक्टेड एलईडी टेललैंप्स।

## मारुति सुजुकी जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज

**नई दिल्ली ।**

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मारुति सुजुकी जिम्नी ऑफ-रोड एसयूवी ने अपनी पहचान मजबूती से स्थापित कर ली है। मारुति सुजुकी ने जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की है, जिससे यह मॉडल एक बार फिर वैश्विक चर्चा का केंद्र बन गया है। ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, जहां पिछले साल केवल 1,958 यूनिट्स निर्यात किए गए थे, वहीं इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 7,970 यूनिट्स तक पहुंच गया है, जो किसी भी मॉडल के लिए बेहद बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। जिम्नी की अंतरराष्ट्रीय सफलता के पीछे इसकी अनोखी खूबियां हैं। कॉम्पैक्ट लेकिन दमदार डिजाइन, 4गुणा4 ऑफ-रोड क्षमता, हल्की बॉडी और भरोसेमंद परफॉर्मेंस इसे एडवेंचर पसंद करने वालों की पहली पसंद बनाते हैं। कई देशों में कॉम्पैक्ट और हार्डकोर ऑफ-रोड एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है, और जिम्नी इस कमी को पूरी तरह पूरा कर रही है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड भारत में जिम्नी का निर्माण कर उसे लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और अन्य वैश्विक बाजारों में निर्यात कर रही है।

इससे भारत सुजुकी के लिए एक बड़े मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब के रूप में उभरा है, जहां तैयार होने वाले मॉडल विदेशी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। हालांकि, घरेलू बाजार में जिम्नी की बिक्री उतनी मजबूत नहीं है। भारत में एसयूवी सेगमेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा है, जहां ग्राहक अधिक फीचर्स, ज्यादा स्पेस और बेहतर वैल्यू की उम्मीद करते हैं। जिम्नी की ऑफ-रोड क्षमता उसकी सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन रोजमर्रा की शहरी जरूरतों के हिसाब से कई खरीदार अन्य विकल्पों की ओर रुख कर लेते हैं। इसके बावजूद, एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की छलांग यह साफ संकेत देती है कि जिम्नी का ग्लोबल क्रेज अभी भी बरकरार है।

## सरकारी खर्च से पावर सेक्टर में तेजी, निजी उद्योग अब भी सुस्त

**- मजबूत ऑर्डर बुक और बढ़ते मार्जिन पर ब्रोकरेज का बड़ा दांव**

**नई दिल्ली ।**

देश में पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) की रफ्तार इस समय दो अलग तस्वीरें पेश कर रही है। एक ओर पावर ट्रांसमिशन से जुड़ी हाई वोल्टेज कंपनियां रिकॉर्ड प्रदर्शन कर रही हैं, वहीं गैर-विद्युत औद्योगिक कंपनियों की चाल अब भी धीमी बनी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रांसमिशन और वितरण कंपनियों के नए ऑर्डर में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बिक्री 39 प्रतिशत बढ़ी है। इन कंपनियों का मुनाफा मार्जिन बढ़कर 20.3 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष से 5.4 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने 2022 से 2032 के बीच ट्रांसमिशन क्षेत्र में 9.15 लाख करोड़ रुपये निवेश की योजना बनाई है।

इसके तहत 8 से 10 बड़े हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। तीन कॉरिडोर के लिए उपकरणों का काम पहले ही तय हो चुका है। अनुमान है कि 2027 से नए ऑर्डर में और तेजी आएगी तथा 2030 तक मांग मजबूत बनी रह सकती है। वित्त वर्ष 2027 के बजट में 12.2 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का प्रावधान किया गया है, जो पहले के अनुमान से 12 प्रतिशत अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार फैक्ट्रियों की क्षमता उपयोग दर 77.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो निजी निवेश के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है। हालांकि गैर-बिजली औद्योगिक कंपनियों की बिक्री में सिर्फ 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और उनका मुनाफा मार्जिन घटकर 11.7 प्रतिशत रह गया है। नए ऑर्डर में 26 प्रतिशत की बढ़त जरूर दर्ज की गई है, जो धातु, तेल-गैस, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों से आई है। इसके बावजूद पारंपरिक औद्योगिक निवेश में व्यापक तेजी अभी बाकी है।

## भारत में पर्यटन उद्योग में तेजी, भविष्य में बनेगा वैश्विक खिलाड़ी

### हर साल हो रही हैं 303 करोड़ घरेलू यात्राएं, पर्यटकों के लिए कम पड़ रहे हैं होटल

**नई दिल्ली ।** भारत में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और यह अब केवल सेक्टर नहीं, बल्कि पूरी इंडस्ट्री बन चुकी है। विदेशी और घरेलू दोनों तरह के पर्यटन में वृद्धि हो रही है, जिससे होटलों की मांग बढ़ रही है और उनकी कीमतें भी महंगी होती जा रही हैं। वर्तमान में पर्यटन उद्योग का भारत के जीडीपी में योगदान 5 फीसदी है, जबकि 2047 तक यह 10 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। इसी अवधि में केवल पर्यटन इंडस्ट्री में 200 मिलियन रोजगार मिलने की संभावना है। दिल्ली के द्वारका में आयोजित एसएटीटीई 2026 (साउथ ऐ शिया ट्रेवल एंड टूरिज्म एक्सचेंज) में 60 से अधिक देशों के 2000 से अधिक प्रदर्शक और 3200 से अधिक ब्रांड हिस्सा ले रहे हैं। इस साल की थीम थी एन ओव्र्यु निटी काल इंडिया आयोजन में अजीत बजाज, अध्यक्ष, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और पद्मश्री पुरस्कार विजेता ने पर्यटन के तेजी से बढ़ते क्षेत्र की जानकारी दी। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत आने वाले समय में वैश्विक पर्यटन का सबसे बड़ा खिलाड़ी बनेगा। इन्फॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया के एक अधिकारी के अनुसार भारत का पर्यटन क्षेत्र 'ट्रिपल इंजन ग्रोथ' पर बढ़ रहा है- घरेलू, आउटबाउंड और इनबाउंड। हर साल देश में 303 करोड़ से अधिक घरेलू यात्राएं हो रही हैं, और भारतीयों का विदेश यात्रा खर्च 42 अरब डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। अनुभव आधारित, आध्यात्मिक और क्षेत्रीय पर्यटन के कारण टियर-2 और टियर-3 शहरों में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि भारत का पर्यटन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों में निहित है। यात्रियों को आज अनुभव और जुड़ाव चाहिए और भारत इसे सबसे बेहतर रूप में प्रदान करता है। 2027 तक भारत का ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर 125 अरब डॉलर के घरेलू बाजार की ओर बढ़ रहा है।

## रुपया बढ़त पर बंद

**मुंबई ।**

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में दो पैसे की बढ़त के साथ ही 90.91 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.85 पर खुला। डॉलर के कमजोर रुख और विदेशी निवेशकों के निवेश में वृद्धि से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सत्र की सकारात्मक शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा को और मजबूती प्रदान की जबकि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि तथा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने रुपये की तेज बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 90.86 पर खुला। फिर 90.85 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को सीमित दायरे में कारोबार करते हुए चार पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.57 पर रहा।

## डाकघर की मंथली इनकम स्कीमः सुरक्षित निवेश और नियमित आमदनी का भरोसेमंद जरिया

**नई दिल्ली ।** भारतीय डाकघर द्वारा संचालित मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस) एक ऐसा निवेश विकल्प है जिसमें आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है। यह योजना केंद्र सरकार की गारंटी के साथ आती है, इसलिए निवेशकों को जोखिम की चिंता नहीं रहती। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत है कि आपको बार-बार पैसे जमा करने की आवश्यकता नहीं। एक बार राशि जमा करने के बाद आप अगले 5 सालों तक मासिक आमदनी का लाभ ले सकते हैं। वर्तमान में पोस्ट ऑफिस इस योजना पर 7.4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर ऑफर कर रहा है। एमआईएस खाते को आप सिंगल या जॉइंट अकाउंट के रूप में खोल सकते हैं। सिंगल अकाउंट में न्यूनतम 1000 रुपये, अधिकतम 9 लाख रुपये। जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये, जिसमें 3 सदस्य शामिल हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप और आपकी पत्नी मिलकर 15 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो मासिक ब्याज 9250 रुपये सीधे आपके बचत खाते में ट्रांसफर होगा।

**लाभ और सुविधा**

- मासिक आमदनी- ब्याज सीधे बैंक खाते में जाता है।
- 5 साल की अवधि- मैच्योरिटी पर मूल निवेश राशि वापस मिलती है।
- सरल प्रक्रिया- खाता खोलने और ब्याज प्राप्त करने के लिए पोस्ट ऑफिस में सेविंग्स अकाउंट होना अनिवार्य है।

## नीलामी में उपलब्ध 11,790 मेगाहट्र्ज दूरसंचार स्पेक्ट्रम का मूल्य 2.1 लाख करोड़

**नई दिल्ली।** भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 11,790 मेगाहट्र्ज रेडियो तरंगों के स्पेक्ट्रम की नीलामी की सिफारिश की है। सूत्रों के अनुसार, यदि संपूर्ण स्पेक्ट्रम आवंटित किया जाता है, तो इसका कुल आधार या आरक्षित मूल्य लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये होगा। यह मूल्य 2022 में अनुशंसित कीमतों की तुलना में 19 प्रतिशत कम है। ट्राई ने नीलामी की सिफारिश नई कंपनियों के प्रवेश को आसान बनाने और दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए की है। इससे बाजार में संतुलन बनेगा और छोटे या नए खिलाड़ियों के लिए अवसर बढ़ेंगे। नियमों में यह भी प्रस्तावित किया गया है कि हर कंपनी अधिकतम 35 प्रतिशत स्पेक्ट्रम रख सकती है। इस सीमा का उद्देश्य किसी एक कंपनी के पास अत्यधिक स्पेक्ट्रम होने से रोकना और प्रतिस्पर्धी वातावरण बनाए रखना है।

## भारतीय रेलवे 1 मार्च से बंद कर रहा यूटीएस ऐप, रेलवन ऐप बनेगा नया विकल्प

**- बदल जाएगा ऑनलाइन अनारक्षित टिकट बुक करने का तरीका**

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने घोषणा की है कि यूटीएस ऐप (अनरिजर्वड टिकटिंग सिस्टम) को 1 मार्च से बंद कर दिया जाएगा। वर्तमान में यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म पास और सीजन टिकट बुक करने की सुविधा देता है। यूटीएस ऐप बंद होने के बाद यात्री इन सेवाओं के लिए इसे इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। रेलवे ने इसके स्थान पर रेलवन ऐप लॉन्च किया है। यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित और रिजर्वेशन टिकट, प्लेटफॉर्म पास, सीजन टिकट और अन्य रेलवे सेवाओं का उपयोग एक ही प्लेटफॉर्म से करने की सुविधा देता है। रेलवन ऐप का इंटरफ़ेस सरल और यूज़र फ्रेंडली है, जिससे नए और मौजूदा दोनों तरह के यात्री इसका लाभ उठा सकते हैं। यात्रियों को नया अकाउंट बनाने की आवश्यकता नहीं है। यूटीएस और आईआरसीटीसी लॉगिन की मदद से सीधे साइनअप किया जा सकता है। ऐप दोनों एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और इसे निशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। भारतीय रेलवे यात्रियों को कैशलेस यात्रा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रेलवन ऐप से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर 3 फीसदी की छूट दे रहा है। यह ऑफ़र 14 जनवरी से 14 जुलाई तक मान्य है। यात्री यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और डिजिटल वॉलेट के जरिए इसका लाभ ले सकते हैं।

## भारतीय शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार

**मुंबई ।**

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को मिला-जुला कारोबार हुआ। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने के कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 27.46 अंक टूटकर 82,248.61 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 14 .05 अंक की हल्की बढ़त के साथ 25,496.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान डिफेंस और हेल्थकेयर शेयरों से बाजार को सहारा मिला। निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.48 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर 1.24 फीसदी बढ़कर की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, निफ्टी फार्मा 1.08 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.95 फीसदी, निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.87 फीसदी, निफ्टी ऑटो 0.80 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 0.78 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.39 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.32 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ।

निफ्टी मीडिया 0.68 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.16 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.11 फीसदी और निफ्टी सर्विसेज 0.06 फीसदी की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मिला-जुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 392.05 अंक की तेजी के साथ 59,798.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स एक अंक की हल्की कमजोरी के साथ 17,117.65 पर था।

सेंसेक्स पैक के शेयरों में बीईएल, अदाणी पोर्ट्स, सनफार्मा, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, एसबीआई, टीसीएस, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, टाइटन और टेक महिंद्रा के शेयर लाभ में रहे।

ट्रेंट, पावरग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, टीएंडटी, एचसीएल टेक और एमएंडएम के शेयर नुकसान में रहे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 82,418 के स्तर पर खुला। वहीं इसी तरह निफ्टी 50 ने भी 25,556 के स्तर पर शुरुआत की। शुरुआती मिनटों में यह 30.15 अंक की बढ़त लेकर 25,512.65 पर कारोबार करता दिखाई दिया।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बावजूद निवेशक फिलहाल सावधानी बरत रहे हैं। बीच-बीच में मुनाफावसूली भी देखी जा रही है, जिससे बढ़त सीमित बनी हुई है।

**CHANGE OF NAME**

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM MANVI SHARMA/MANVI MINUT SHARMA/MANVI **TO MANVI MINTU SHARMA** AS PER MY DOCUMENTS

**CHANGE OF NAME**

I HAVE CHANGE OF MY NAME FROM NITESH KUMAR SINGH **TO NEW NAME - NITESH SINGH ADD:-** FLAT NO. 103, PRANJYOT APARTMENT, ITI ROAD, AMLI, SILVASSA- 396230, UT OF DNH&DD

## अमेरिकी अर्थव्यवस्था में वृद्धि, बेरोजगारी में कमी की उम्मीदः आईएमएफ रिपोर्ट

**- बेरोजगारी दर 2025 में 4.5 से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रहने की संभावना**

**वॉशिंगटन ।**

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था का 2026 तक का आकलन पेश किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2026 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है, जो 2025 के 2.2 प्रतिशत से अधिक है। आईएमएफ ने अर्थव्यवस्था की वृद्धि को मोटे तौर पर सकारात्मक बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बेरोजगारी दर 2025 के अंत में 4.5 प्रतिशत से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रह सकती है। आईएमएफ ने कहा कि रोजगार बाजार में अत्यधिक गिरावट न आए तो फेडरल रिजर्व को ब्याज दर में और कटौती से बचना चाहिए। महंगाई दर 2027 तक अमेरिकी केंद्रीय बैंक के 2 प्रतिशत के लक्ष्य तक आ सकती है। फेडरल रिजर्व की मौजूदा रेपो दर 3.6 प्रतिशत है, जिसे घटाकर लगभग 3.4 प्रतिशत किया जा सकता है। 2025 में नीतिगत ब्याज दर में तीन बार कटौती की गई थी। आईएमएफ ने अमेरिकी संघीय सरकार के बढ़ते कर्ज पर चिंता जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक कर्ज जीडीपी के अनुपात में 2025 के लगभग 100 प्रतिशत से बढ़कर 2031 तक 110 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यह आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यदि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए आयात शुल्क नहीं होते, तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। संरक्षणवादी नीतियां अपेक्षा से अधिक नकारात्मक असर डाल सकती हैं। हालांकि, अमेरिका को मजबूत उत्पादकता वृद्धि का लाभ मिला है। आईएमएफ के अनुसार, अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2026 में बढ़ेगी, बेरोजगारी घटेगी और महंगाई नियंत्रित रहेगी, लेकिन बढ़ता सरकारी कर्ज और संरक्षणवादी नीतियां आर्थिक स्थिरता के लिए जोखिम बन सकती हैं।

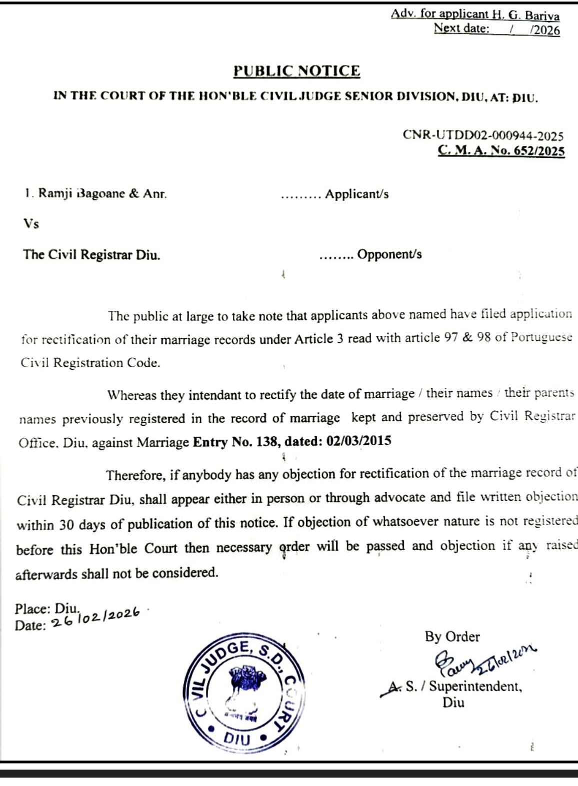

Adv. for applicant H. G. Bariya
Next date: / /2026

**PUBLIC NOTICE**

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-000944-2025
C. M. A. No. 652/2025

1. Ramji Bagoane & Anr. ......... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. ........ Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parents names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 138, dated: 02/03/2015**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 26/02/2026

By Order
A. S. / Superintendent,
Diu

CIVIL JUDGE, S.D., COURT • DIU •

**Declaration regarding Change of Name for Passport**

**My name is written as Sunil Rohidas Patil on my 10th and 12th-grade mark sheets and Leaving Certificate, but all my other documents, such as my PAN card, Aadhaar card, Voter ID, and driving license, show my name as Sunil Rohidas Shinde. I hereby declare that Sunil Rohidas Patil and Sunil Rohidas Shinde are one and the same person.**

**Address: Housing Number 3200, G-Tower, Flat Number F/209, Sai Shruti Apartment, Near Balaji Temple, Amli, Silvassa - 396230**

**Mobile: 9879608621**

## शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

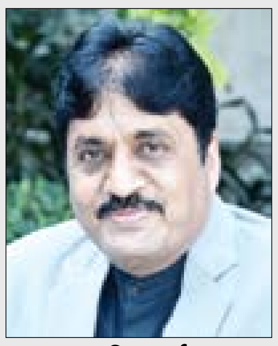

ललित गर्ग

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है। छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

लखनऊ की घटना केवल परीक्षा दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है। पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी। यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था। प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या 'कुछ बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार-तार कर दे? हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए। लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। जब शिक्षा जीवन-निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है।

भारत में नीट और जी जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के लिए उम्मीद का प्रतीक हैं। नीट में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जबकि ज्वाइंट एन्टरेंस एक्जामिनेशन (जेईई) के एक सत्र में 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया। इन लाखों विद्यार्थियों में से केवल कुछ हजार ही शीर्ष संस्थानों तक पहुंच पाते हैं। शेष विद्यार्थियों के हिस्से अक्सर निराशा, आत्मग्लानि और सामाजिक तुलना का दंश आता है। जब सफलता का पैमाना केवल रैंक और अंक बन जाए, तो असफलता जीवन का अंत प्रतीत होने लगती है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों में हर वर्ष आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं। कोटा देश की कोचिंग राजधानी कही जाती है, जहां हजारों छात्र सपने लेकर पहुंचते हैं। लेकिन उन्हीं सपनों का बोझ कई बार उनके जीवन से भारी पड़ जाता है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का परिणाम है जिसमें प्रतियोगिता सहयोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

लखनऊ की घटना में एक और तथ्य उल्लेखनीय है-आरोपी छात्र की मां का निधन हो चुका था। घर में चाचा-चाची मौजूद थे, लेकिन क्या उस युवक की मनःस्थिति को समझने का प्रयास किया गया? क्या उसके भीतर के तनाव, अकेलेपन और भय को किसी ने सुना? यदि परिवार में नियमित संवाद होता, यदि मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता जितनी अंकों को, तो शायद यह भयावह वारदात टाली जा सकती थी। आज समस्या केवल आत्महत्या तक सीमित नहीं है। बच्चे हिंसक भी हो रहे हैं। यह हिंसा बाहरी नहीं, भीतर से उपज रही है-कुंठा, अपमानबोध, तुलना और असफलता के भय से। जब बच्चे को यह महसूस होने लगे कि वह केवल एक 'प्रोजेक्ट' है, एक 'इन्वेस्टमेंट' है, जिसे किसी निश्चित पेशे में ढालना है, तब उसकी स्वतंत्र पहचान कुचल जाती है। वह या तो भीतर ही भीतर टूट जाता है या विस्फोट कर देता है।

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए-विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, और न ही बनना चाहिए। विविध प्रतिभाओं को सम्मान देने वाली सामाजिक मानसिकता विकसित किए बिना यह संकट कम नहीं होगा। इस संदर्भ में तीन स्तरों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। पहला, परिवार। माता-पिता को यह समझना होगा कि अपेक्षा और दबाव में अंतर है। अपेक्षा प्रेरणा देती है, दबाव भय पैदा करता है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी रुचियों को समझना, असफलता को स्वीकार्य बनाना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। 'तुम्हें डॉक्टर बनना ही है' की जगह 'तुम जो बनना चाहो, हम साथ हैं' जैसी सोच विकसित करनी होगी। दूसरा, शिक्षा संस्थान। स्कूल और कोचिंग संस्थानों को केवल परिणाम देने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील संस्थान बनना होगा। नियमित काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न न बनाने की संस्कृति विकसित करनी होगी। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की मानसिक दशा पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। तीसरा, सरकार और समाज। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और कलंकमुक्त बनाना होगा। परीक्षा प्रणाली में सुधार, वैकल्पिक करियर मार्गों को बढ़ावा, और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देना समय की मांग है। मीडिया को भी सनसनी की बजाय संवेदनशील रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इन घटनाओं को सामान्य न मानें। हर आत्महत्या और हर हिंसक घटना हमारे सामाजिक ताने-बाने में दरार का संकेत है। यदि हम इसे केवल 'व्यक्तिगत मामला' कहकर टाल देंगे, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। लखनऊ की घटना हमें झकझोरती है। यह बताती है कि शिक्षा का दबाव, पारिवारिक संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा मिलकर कितनी भयावह परिणति ला सकती है। अब समय है कि हम सामूहिक आत्ममंथन करें। शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण। बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें। सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें। जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा। परीक्षा का मौसम हर साल आएगा, लेकिन यदि हम संवेदनशील समाज बन सके, तो शायद अगली पीढ़ी के लिए यह मौसम भय का नहीं, आत्मविश्वास का प्रतीक बन सकेगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## संपादकीय

### व्यापार समझौते का सच

हम एक लोकतांत्रिक देश हैं, लिहाजा अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध-प्रदर्शन हमारे संवैधानिक और मौलिक अधिकार हैं। हम प्रधानमंत्री, मंत्रियों, सरकार और नीतियों की आलोचना और विरोध कर सकते हैं, लेकिन ये अधिकार निरंकुश नहीं हैं। उनकी अपनी सीमा, समय और मयार्दाएं तय हैं। जरा संविधान के संबद्ध अध्याय को पढ़ लीजिए। ये अधिकार देश की जन-व्यवस्था को बिगाड़ने वाले नहीं होने चाहिए। किसी के घर में घुसकर आंदोलन खड़े नहीं किए जा सकते। युवा कांग्रेस के 'बेकमीज' कार्यकताओं ने एआई शिखर सम्मेलन में घुसकर जो उत्पात मचाया था, उसे देश ने भी खारिज किया और कांग्रेस के सहयोगी दलों ने भी मुखालफत की, नाराजगी जताई, क्योंकि यह देश के मान-सम्मान का सवाल था। प्रधानमंत्री मोदी और अमरीका के साथ व्यापार समझौते का विरोध करना था, तो पूरा देश खाली पड़ा है। राजधानी दिल्ली में ही आंदोलन-स्थल चिह्नित हैं। कांग्रेस के युवाओं ने एक वैश्विक मंच को तितर-बितर करने की कोशिश की थी। दिल्ली पुलिस ने कुछ गैर-जमानती, गंभीर धाराओं में केस दर्ज किए हैं और 8 उपद्रवी उसकी रिमांड पर हैं। कांग्रेस इन दंगाइयों को 'बब्बर शेर' करार दे रही है और ऐसे प्रदर्शनों के लिए उकसा रही है। केस में 'आपराधिक साजिश', देश की अखंडता के खिलाफ, दंगे में शामिल होना और भडकाने, लोकसेवक पर हमला आदि की धाराएं लगाई गई हैं। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु चिब को भी रिमांड पर लिया गया है। अब इसे व्यापार समझौता बनाम किसान बनाम प्रधानमंत्री का मुद्दा बना दिया गया है। 'किसान महाचौपाल' की पहली रैली के लिए भोपाल चुना गया, क्योंकि मप्र में करीब 83.50 लाख किसान हैं। मप्र को 'सोया स्टेट' कहा जाता है, जहां देश के करीब 45 फीसदी सोयाबीन का उत्पादन होता है। करीब 50 लाख किसान सोयाबीन की खेती करते हैं। दरअसल देश की हकीकत यह है कि भारत करीब 60 फीसदी सोयाबीन एवं खाद्य तेल अर्जेन्टीना से आयात करता है और 20 फीसदी तेल ब्राजील से लेते हैं। मात्र 2 फीसदी खाद्य तेल अमरीका से आयात किया जाता है।

## चिंतन-मनन

### ईश्वर से प्रेम करना है वास्तविक प्रेम

बहुत से ऐसे लोग मिलेंगे जो कहेंगे कि उन्हें किसी से प्यार हो गया है। अपने प्रेम को पाने के लिए वह दुनिया छोड़ने की बात करेंगे। लेकिन वास्तव में प्रेम को पाने के लिए दुनिया छोड़ने जरूरत ही नहीं है। प्रेम तो दुनिया में रहकर ही किया जाता है। जो दुनिया छोड़ने की बात करते हैं वह तो प्रेमी हो ही नहीं सकते है। दुनिया छोड़ने की बात करने वाले लोग वास्तव में रूप के आकर्षण में बंधे हुए लोग होते हैं। वह प्रेम के वास्तविक स्वरूप से अनजान होते हैं। ऐसी स्थिति कभी रामचरित मानस के रचयिता तुलसीदास जी की भी थी, लेकिन जब उन्हें प्रेम का सही बोध हुआ तब वह परम पद को पाने में सफल हुए।

तुलसीदास जी के युवावस्था के समय की बात है इनका विवाह एक अति रूपवती कन्या से हुआ जिसका नाम रत्नावली था। रत्नवती के रूप में तुलसीदास ऐसे खो गये कि उनके बिना एक क्षण जीना उनके लिए कठिन प्रतीत होने लगा। एक बार रत्नावली अपने मायके चली आयी तो तुलसीदास बचैन हो गये। आधी रात को आंधी तूफान की परवाह किये बिना रत्नावती से मिलने चल पड़े। नदी उफन रही थी जिसे पार करने के लिए वह एक आश्रय का सहारा लेकर तैरने लगे।

रत्नावली के ख्यालों में तुलसीदास जी ऐसे खोये हुए थे कि उन्हें यह पता भी नहीं चला कि वह जिस चीज का आश्रय लेकर नदी पार कर रहे हैं वह किसी व्यक्ति का शव है। रत्नावली के कमरे में प्रवेश के लिए तुलसीदास जी ने एक सांप का पूंछ रस्सी समझकर पकड़ लिया जो उस समय रत्नावली के कमरे की दीवार पर चढ़ रहा था। रत्नावली ने जब तुलसीदास को अपने कमरे में इस प्रकार आते देखा तो बहुत हैरान हुई और तुलसीदास जी से कहा कि हाड़-मांस के इस शरीर से जैसा प्रेम है वैसा प्रेम अगर प्रभु से होता तो जीवन का उद्देश्य सफल हो जाता है। तुलसीदास को पत्नी की बात सुनकर बड़ी ग्लानि हुई और एक क्षण रूके बिना वापस लैट आए। तुलसीदास का मोह भंग हो चुका था। इस समय उनके मन में भगवान का वास हो चुका था और अब वह सब कुछ साफ-साफ देख रहे थे। नदी तट पर उन्हें वही शव मिला जिसे उन्होंने नदी पार करने के लिए लकड़ी समझकर पकड़ लिया था। तुलसीदास जी अब प्रेम का सच्चा अर्थ समझ गये थे। तुलसीदास जान चुके थे कि वह जिस प्रेम को पाने के लिए बचैन थे वह तो क्षण भंगुर है। यह प्रेम तो संसार से दूर ले जाता है। वास्तविक प्रेम तो ईश्वर से हो सकता है जो कण-कण में मौजूद है उसे पाने के लिए बेचैन होने की जरूरत नहीं है उसे तो हर क्षण अपने पास मौजूद किया जा सकता है। इसी अनुभूति के कारण तुलसीदास राम के दर्शन पाने में सफल हुए। जिस पत्नी से मिलने के लिए तुलसी अधीर रहते थे वही उनकी शिष्य बनकर उनका अनुगमन करने लगी।

## चंद्रशेखर आजाद : क्रांति, साहस और आत्मसम्मान की अमर गाथा

सुनील कुमार महला

27 फरवरी को महान क्रांतिकारी, अदम्य साहस, अटूट देशभक्ति और आत्मसम्मान के प्रतीक चंद्रशेखर आजाद का शहीद दिवस है। पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 1931 में इसी दिन उन्होंने इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के चंद्रशेखर आजाद पार्क (तत्कालीन अल्फ्रेड पार्क) में अंग्रेजों से घिर जाने पर वीरगति प्राप्त की।

उनका जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिला में हुआ था तथा उनका बचपन झाबुआ जिले के भाबरा गाँव में बीता, जहाँ उनके अधिकांश मित्र भील जनजाति के बालक थे। उनके साथ रहते हुए उन्होंने बचपन में ही धनुष-बाण चलाने में दक्षता हासिल कर ली, जो आगे चलकर उनकी अचूक निशानेबाजी का आधार बनी।

पाठकों को बताता चलूं कि उनका वास्तविक नाम चंद्रशेखर तिवारी था और ह्यआजादह्ल नाम उन्होंने स्वयं अदालत में घोषित किया था। दिसंबर 1921 में असहयोग आंदोलन में भाग लेने के कारण जब उन्हें गिरफ्तार किया गया, तो मजिस्ट्रेट के सामने उन्होंने अपना नाम आजाद, पिता का नाम स्वतंत्रता और पता जेलखाना बताया। सजा के रूप में उन्हें 15 कोड़े लगाए गए, जिसके बाद से वे 'आजाद' के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

उनकी माता जगरानी देवी चाहती थीं कि वे संस्कृत के विद्वान बनें, इसलिए उन्हें पढ़ाई के लिए वाराणसी के काशी विद्यापीठ भेजा गया। किंतु जलियांवाला बाग हत्याकांड(13 अप्रैल 1919 को पंजाब के अमृतसर में) ने उनकी सोच बदल दी और वे क्रांतिकारी मार्ग पर चल पड़े। उनकी जुबां पर अक्सर एक शेर रहता था- दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे,आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे।

पाठक जानते होंगे कि आजाद ने शपथ ली थी कि वे कभी अंग्रेजों के हाथ जीवित नहीं पकड़े जाएंगे, और उन्होंने अंत तक अपने इस वचन को निभाया भी। वे भेष बदलने की कला में अत्यंत निपुण थे तथा कई बार पुलिस के सामने से निकल गए और उन्हें पता भी नहीं चला। कहते हैं कि एक बार उन्होंने स्त्री का भेष धारण कर अंग्रेजों को चकमा दे दिया था। पुलिस से बचने के लिए वे साधु/संन्यासी बनकर भी रहे और बच्चों को पढ़ाया। झांसी के पास ओरछा के जंगलों में उन्होंने पंडित हरिशंकर ब्रह्मचारी नाम से संन्यासी रूप में निवास किया तथा साथियों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। उनकी फुर्ती और तेज दिमाग के कारण साथी उन्हें क्विक सिल्वर (पारा) कहते थे।

वे क्रांतिकारी संगठन के वरिष्ठ नेता थे और युवाओं को प्रशिक्षण देते थे, जिनमें भगत सिंह भी शामिल थे। पाठकों को बताता चलूं कि भगत सिंह उन्हें सम्मान से पंडित जी कहते थे। दोनों की जोड़ी को आग और हवा की तरह माना जाता था-जहाँ भगत सिंह वैचारिक रूप से गहरे थे, वहीं आजाद संगठन संचालन और क्रांतिकारी कार्रवाई में निपुण थे।

महात्मा गांधी द्वारा 1922 में असहयोग आंदोलन स्थगित किए जाने के बाद वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) से जुड़े। गौरतलब है कि यह संगठन 1924 में शचींद्र नाथ सान्याल सहित अन्य क्रांतिकारियों द्वारा स्थापित किया गया था। इसके प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी आदि शामिल थे। क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए धन जुटाने हेतु 1925 में काकोरी ट्रेन कार्रवाई की गई।

बाद में संगठन का पुनर्गठन कर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) बनाया गया, जिसकी स्थापना 1928 में दिल्ली के फिरोजशाह कोटला में आजाद, भगत सिंह, सुखदेव थापर और जोगेश चंद्र चटर्जी सहित अन्य साथियों ने की। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि आजाद 1929 में लॉर्ड इरविन की ट्रेन पर बम फेंकने की योजना में भी शामिल थे।

27 फरवरी 1931 को प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। उन्होंने अपने साथी सुखदेव राज को सुरक्षित निकल जाने का अवसर दिया और स्वयं लगभग 40 मिनट तक अकेले पुलिस से लोहा लेते रहे। उस समय उनके पास केवल एक छोटी कोल्ट पिस्तौल थी। जब अंतिम गोली बची, तो अपनी प्रतिज्ञा निभाते हुए उन्होंने स्वयं को गोली मार ली और वीरगति प्राप्त की।जानकारी मिलती है कि उनकी मृत्यु के बाद भी ब्रिटिश पुलिस उनके पास जाने से डर रही थी। पुष्टि करने के लिए दूर से उनके शरीर पर गोलियाँ चलाई गईं, तब जाकर वे पास पहुँचे।

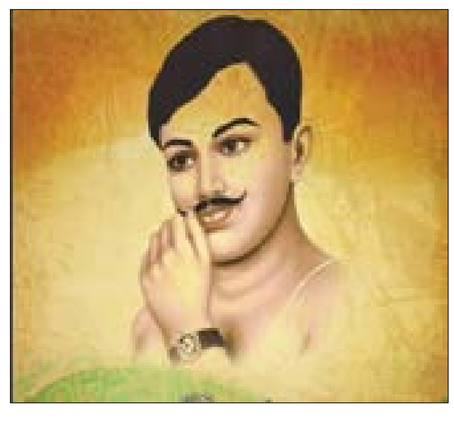

आजाद अत्यंत सादगीपूर्ण जीवन जीते थे। बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि कई बार संगठन के लिए धन बचाने हेतु स्वयं भूखे रह जाते थे, लेकिन अपने साथियों की जरूरतें वे पहले पूरी करते थे। उनकी शहादत के बाद काफी समय तक उनकी माता को पूरी जानकारी नहीं दी गई थी, ताकि उन्हें गहरा सदमा न पहुँचे।

निष्कर्षतः, चंद्रशेखर आजाद ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने युवाओं को यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प, त्याग और साहस से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

## आईआईसीटी की संरचना,और ऑरेंज इकोनॉमी की अनंत संभावनाएँ

विनोद कुमार सिंह

भारत आज उस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है,जहाँ वह नित्य नवीन विकास की परिभाषा बदल रही है। इसी क्रम में औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र की परंपरागत सीमाओं से बाहर निकलकर अब राष्ट्र की शक्ति का निर्धारण उसकी रचनात्मक क्षमता,डिजिटल दक्षता और नवाचार से हो रहा है।इसी परिवर्तनकारी परिदृश्य में आई आई सी टी का उदय केवल एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्रचना की एक दुरगामी दृष्टि का परिचायक है। एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग,कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में भारत को वैश्विक अग्रणी बनाने की यह पहल अपने भीतर सामाजिक न्याय,अवसरों के लोकतंत्रीकरण और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का अनंत संदेश समेटे हुए है।हमारी रचनात्मक अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें प्रतिभा और कल्पनाशीलता ही वास्तविक पूँजी होती है।भौगोलिक सीमाएँ,पारंपरिक संसाधन या भारी अवसंरचना इसकी अनिवार्यता नहीं हैं।एक छोटे शहर या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाला युवा भी यदि उपयुक्त प्रशिक्षण और तकनीकी संसाधन प्राप्त करे तो वह वैश्विक परियोजनाओं में अपनी अग्रणी भूमिका निभा सकता है।संस्थान का 2035 तक 10 लाख से अधिक विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण देने का लक्ष्य इसी सोच का सतत विस्तार है।यह केवल कौशल विकास का कार्यक्रम नहीं,बल्कि सामाजिक गतिशीलता का माध्यम है,जो वंचित और निचले तबकों को नई आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त करता है।21वीं सदी का वैश्विक आर्थिक परिदृश्य यह स्पष्ट संकेत दे रहा है,कि आने वाला समय रचनात्मकता,डिजिटल तकनीक और बौद्धिक संपदा का होगा।जिस राष्ट्र के पास विचार, कल्पनाशक्ति और तकनीकी दक्ष मानव संसाधन होगा,वही विश्व मंच पर नेतृत्व करेगा।भारत ने इस यथार्थ को समय रहते पहचानते हुए एनीमेशन,विजुअल इफेक्ट्स,गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में संस्थागत आधार निर्मित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में स्थापित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव ट्रेकनालोजी(Indian Institute of Creative Technology) केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं,बल्कि भारत की ऑरेंज इकोनॉमी का केंद्रीय स्तंभ बनकर उभर रहा है। माया नगरी मुंबई में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में प्रारंभ हुआ यह संस्थान सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर कार्य करता है,जहाँ उद्योग और अकादमिक जगत का समन्वय इसकी आधारशिला है।प्रारंभिक चरण में इसका संचालन नेशनल फिल्म डबल्पमेन्ट कॉरपोरेशन (NFDC) परिसर से आरंभ किया गया,जो भारतीय फिल्म और रचनात्मक उद्योग के ऐतिहासिक केंद्रों में से एक है।वर्तमान संरचना में चौथी से सातवीं मंजिल तक पूर्णतःकार्यशील फ्लोर स्थापित किए गए हैं,जिनमें अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाएँ,डिजिटल लैब्स,साउंड डिजाइन स्टूडियो,पोस्ट-प्रोडक्शन सुविधाएँ और पेशेवर स्तर का स्क्रीनिंग थिएटर शामिल हैं।यह अवसंरचना विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं,बल्कि उद्योग- संगत व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।संस्थान की संरचना का एक महत्वपूर्ण आयाम इसका स्टार्टअप इनक्यूबेशन केंद्र है,जहाँ नवोन्मेषी विचारों को व्यावसायिक रूप देने के लिए मेंटरशिप,तकनीकी संसाधन और नेटवर्किंग सहयोग उपलब्ध कराया जाता है।यह मॉडल विद्यार्थियों को नौकरी खोजने वाले के बजाय रोजगार सृजक बनने की प्रेरणा देता है।साथ ही,18 विशेषी कृत पाठ्यक्रमों के माध्यम से ए वी जी सी-एस आर(AVGC-XR) क्षेत्र की विविध आवश्यकताओं को संबोधित किया जा रहा है।उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रम संरचना यह सुनिश्चित करती है कि प्रशिक्षित युवा सीधे वैश्विक परियोजनाओं में योगदान दे सकें।आईआई सी टी की दीर्घकालिक योजना इसे और व्यापक स्वरूप देने की है।गोरेगांव फिल्म सिटी में प्रस्तावित10एकड़ का स्थायी परिसर इस दिशा में एक महत्त्वाकाँक्षी कदम है।यहाँ अत्याधुनिक इमर्सिव स्टूडियो,ए आर/वीआर/एक्सआर (AR/VR/XR) आधारित प्रयोगशालाएँ और सहयोगात्मक रचनात्मक स्पेस विकसित किए जाने की योजना है। यह परिसर विद्यार्थियों को भारत के मनोरंजन उद्योग के केंद्र में प्रशिक्षण का अवसर देगा,जिससे शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी न्यूनतम हो सकेगी।भविष्य में यह केंद्र वैश्विक प्रशिक्षण, शोध और नवाचार का हब बन सकता है।वही ऑरेंज इकोनॉमी की अवधारणा रचनात्मक उद्योगों को आर्थिक शक्ति में रूपांतरित करने की है।इसमें संस्कृति,कला,मीडिया,डिजाइन और डिजिटल नवाचार सम्मिलित होते हैं।विश्व स्तर पर यह क्षेत्र तीव्र गति से विस्तार कर रहा है और अरबों डॉलर का बाजार निर्मित कर चुका है।भारत,जिसकी जनसंख्या युवा और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है,इस क्षेत्र में स्वाभाविक बढ़त रखता है।यदि भारतीय कथानक, पौराणिकता,लोककथाएँ और समकालीन अनुभव आधुनिक तकनीकी माध्यमों से प्रस्तुत किए जाएँ,तो वे वैश्विक दर्शकों को आकर्षित कर सकते हैं। इसी संभावना को संरचनात्मक आधार प्रदान करता है। आईआईसीटी संस्थान का लक्ष्य केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है,बल्कि 500 से अधिक मौलिक भारतीय बौद्धिक संपदाओं (IP)का निर्माण,10,000 से अधिक डोमेन विशेषज्ञों की तैयारी और 2035 तक 10 लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देना इसकी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है। यह दृष्टिकोण भारत को केवल सेवा प्रदाता नहीं,बल्कि वैश्विक कंटेंट सृजनकर्ता के रूप में स्थापित करने का प्रयास है। बौद्धिक संपदा का सृजन ही किसी भी राष्ट्र की दीर्घकालिक आर्थिक स्वायत्तता का आधार बनता है। सामाजिक दृष्टि से भी आईआईसी टी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल रचनात्मक उद्योग भौगोलिक सीमाओं से मुक्त हैं।अतः छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं के लिए भी अवसर उपलब्ध हैं।जब समाज के निचले तबकों तक कौशल और संसाधन पहुँचेंगे, तब आर्थिक अवसरों का वास्तविक लोकतंत्रीकरण होगा।यहसामाजिक पूँजी को सुदृढ़ करेगा और क्षेत्रीय

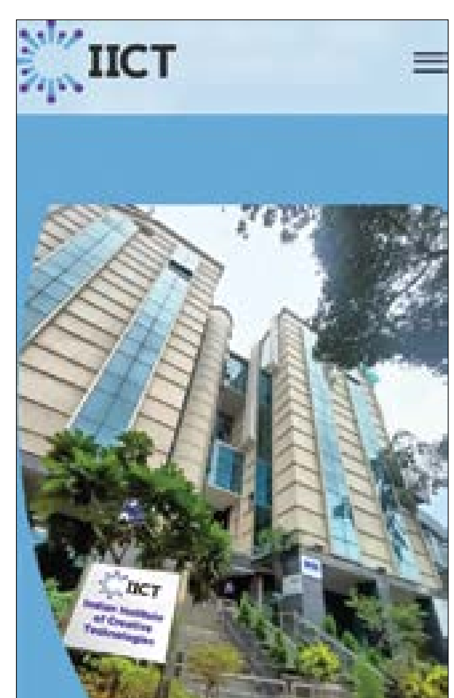


असमानताओं को कम करने में सहायक होगा। समावेशी और सतत विकास की दिशा में यह पहल दीर्घकालिक परिवर्तन का आधार बन सकती है।

अंततः इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रियेटिव ट्रेकनालोजीभारत के उस आत्मविश्वास का प्रतीक है,जो अपनी सांस्कृतिक विरासत और तकनीकी क्षमता के संगम से भविष्य गढ़ना चाहता है।यदि संरचना,उद्योग साझेदारी और सामाजिक समावेशन की यह त्रिवेणी निरंतरता के साथ आगे बढ़ती रही,तो ऑरेंज इकोनॉमी भारत की विकास यात्रा में स्वर्णिम अध्याय सिद्ध होगी।हम कह सकते है कि यह कोई आर्थिक प्रगति की कहानी नहीं होगी,बल्कि एक ऐसे भारत की ऐतिहासिक कथा होगी जो अपनी रचनात्मक ऊर्जा को वैश्विक शक्ति में रूपांतरित कर रहा है।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

असली आज़ादी

शुक्रवार 27, फरवरी 2026, दमण।



## संक्षिप्त समाचार

### दक्षिण-पूर्वी ब्राजील में भीषण बाढ़, कम से कम 25 की मौत, सैकड़ों लोग विस्थापित

**जुइज़ डी फोरा, एजेंसी।** ब्राजील के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में आई भीषण बाढ़ में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई है, जबकि दर्जनों लोग लापता बताए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार सबसे ज्यादा प्रभावित मिनास गेरैस प्रांत में हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने आने वाले दिनों में और बारिश की चेतावनी दी है। मूसलाधार बारिश सोमवार को जुइज़ डी फोरा और उबा शहरों में शुरू हुई, जो रियो डी जनेरियो से लगभग 310 किलोमीटर उत्तर में स्थित हैं। भारी वर्षा के कारण करीब 440 लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। मिनास गेरैस के अग्निशमन विभाग ने बताया कि सोमवार देर रात से अब तक 43 लोग लापता हैं और उनकी तलाश जारी है। विभाग द्वारा जारी वीडियो में दोनों शहरों की जलमग्न सड़कें दिखाई गईं, जहां एक नदी ने अपना मार्ग बदल लिया।

### 100 साल पुराने रेस्तरां वीरास्वामी को बचाने की मांग बकिंघम पैलेस पहुंची, 20 हजार लोगों ने किया समर्थन

**लंदन, एजेंसी।** लंदन के प्रसिद्ध भारतीय रेस्तरां वीरास्वामी को बंद होने से बचाने की मांग अब बकिंघम पैलेस तक पहुंच गई है। 20 हजार से अधिक लोगों ने एक याचिका पर हस्ताक्षर कर किंग चार्ल्स तृतीय से हस्तक्षेप की अपील की है। रेस्तरां के कर्मचारी और समर्थक पैलेस के बाहर इकट्ठा हुए और अपनी मांग रखी। याचिका की एक प्रति क्राउन एस्टेट को भी सौंपी गई, जो रीजेंट स्ट्रीट स्थित विक्ट्री हाउस इमारत का मालिक है। इसी इमारत में वीरास्वामी पिछले करीब 100 साल से संचालित हो रहा है। प्रबंधन का कहना है कि रेस्तरां मार्च 1926 में शुरू हुआ था और यह भारत-ब्रिटेन सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक बन चुका है। यहां कई प्रसिद्ध हस्तियां भोजन कर चुकी हैं। क्राउन एस्टेट का कहना है कि इमारत में बड़े स्तर पर मरम्मत की जरूरत है और जगह का उपयोग कार्यालय के रूप में किया जाएगा। रेस्तरां संचालित करने वाली कंपनी ने अपने किरायेदारी अधिकार बचाने के लिए कानूनी कदम उठाए हैं। मामले में अंतिम फैसला जुलाई 2026 तक आने की उम्मीद है।

### नेपाल में आम चुनाव के लिए 3 दिन होगी सार्वजनिक छुट्टी

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल सरकार ने 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव के मद्देनजर देश में तीन दिवसीय सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार निर्वाचन आयोग की सिफारिश पर 4, 5 और 6 मार्च को अवकाश रहेगा। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नेपाल के मधेस प्रांत से लगी भारतीय सीमा को मतदान संपन्न होने तक 72 घंटों के लिए पूरी तरह सील करने का निर्णय लिया गया है। भारत और नेपाल के सुरक्षा अधिकारियों के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद यह तय हुआ कि बारा और पर्सा जिलों से सटे सीमा बिंदु 3 मार्च से बंद रहेंगे। पिछले वर्ष के राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद यह नेपाल का पहला चुनाव है। कार्यवाहक मुख्य निर्वाचन आयुक्त राम प्रसाद भंडारी ने निष्पक्ष चुनाव का भरोसा जताते हुए इसे लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनिवार्य बताया है।

### बांग्लादेश में राष्ट्रपति को फिर मिला प्रेस विंग

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की नई सरकार ने मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के कार्यालय में दोबारा प्रेस विंग स्थापित कर दिया। राष्ट्रपति का प्रेस विंग इससे पहले अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के कार्यकाल में समाप्त कर दिया गया था। लोक प्रशासन मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मोहम्मद सरवर आलम को बंगभवन राष्ट्रपति भवन में फिर से प्रेस सचिव नियुक्त किया गया है। वह कार्यभार संभालने की तारीख से एक वर्ष तक इस पद पर रहेंगे। सरवर आलम वर्ष 2024 में सत्ता परिवर्तन के समय भी प्रेस सचिव थे, लेकिन यूनुस की अंतरिम सरकार ने उनकी संविदा नियुक्ति को समाप्त कर दिया था। इसी के साथ राष्ट्रपति के उप-प्रेस सचिव और सहायक प्रेस सचिव के पद भी खत्म कर दिए गए थे। इसके अलावा, बंगभवन में करीब 30 वर्षों से कार्यरत दो फोटोग्राफरों को भी हटा दिया गया था।

### खैबर पख्तूनख्वा से पंजाब प्रांत तक आतंक का साया, पुलिस वैन पर हमले से सात की मौत

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके में पुलिस पर हुए दोहरे हमले ने सुरक्षा हालात पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में संदिग्ध आतंकियों ने पुलिस वाहनों को निशाना बनाकर घात लगाकर हमला किया। इस हमले में कम से कम छह पुलिसकर्मियों और एक आम नागरिक की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पहला हमला कोहाट में एक पुलिस वाहन पर किया गया, जिसमें एक अधिकारी की मौके पर ही मौत हो गई।

# अमेरिकी संसद में ट्रम्प फिर बोले- भारत-पाक युद्ध रुकवाया

## गाजा सीजफायर को जीत बताया, ईरान पर 32000 प्रदर्शनकारियों को मारने का आरोप

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय समय के मुताबिक बुधवार सुबह संसद में भाषण दिया। साल की शुरुआत में संसद में प्रेसिडेंट के भाषण को 'स्टेट ऑफ द यूनियन' स्पीच कहा जाता है। ट्रम्प ने 1 घंटा 50 मिनट के भाषण में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने ईरान पर हमला कर उसका न्यूक्लियर प्रोग्राम खत्म कर दिया। साथ ही 28 दिसंबर से 14 जनवरी के बीच महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 32 हजार प्रदर्शनकारियों को मारने का आरोप भी लगाया। अपने भाषण में ट्रम्प ने इजराइल-हमास के बीच गाजा सीजफायर को अपनी उपलब्धि कहा। वहीं वेनेजुएला पर कब्जे के करीब डेढ़ महीने बाद वहां तेल उत्पादन में बढ़ोतरी का दावा करते हुए उसे अमेरिका का नया दोस्त करार दिया।

**भाषण की बड़ी बातें... चेतावनी:** ट्रम्प ने बताया कि ईरान अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल बना सकता है। उन्होंने कहा ईरान ने पहले ही ऐसी मिसाइल बना ली हैं जो यूरोप और हमारे विदेशों में मौजूद ठिकानों के लिए खतरा हैं और वे ऐसी मिसाइलें बनाने पर काम कर रहे हैं जो जल्द ही अमेरिका तक पहुंच जाएंगी।

**दावा:** भारत-पाकिस्तान जंग में 3.5 करोड़ मौतें रोकीं। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से कहा कि दोनों देशों के बीच परमाणु जंग में 3.5 करोड़ लोगों के मारे जाने की आशंका थी। हालांकि, भारत इस दावे को हमेशा खारिज करता आया है।

**ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम:** ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम को खत्म दिया गया है।

**गाजा संघर्ष विराम:** ट्रम्प ने गाजा में इजराइल-हमास सीजफायर को कामयाब बताया, जिससे सभी इजराइली बंधक रिहा हो गए।

**महंगाई और कीमतें:** ट्रम्प ने कहा कि महंगाई के लिए डेमोक्रेट्स जिम्मेदार हैं और उनकी नीतियों से कीमतें तेजी से नीचे आ रही हैं।

**सोमाली समुदाय और धोखाधड़ी:** उन्होंने कहा कि सोमाली समुद्री लुटेरों ने रिश्वत, भ्रष्टाचार और अराजकता के जरिए मिनेसोटा को बर्बाद कर दिया।

**ऑयल प्रोडक्शन:** ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका में तेल का प्रोडक्शन रोज करीब 6 लाख बैरल से ज्यादा बढ़ा है।

**टैरिफ और व्यापार नीति:** ट्रम्प ने सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और नए 15% वैश्विक टैरिफ लागू करने की बात कही।

**एनर्जी प्रोडक्शन और वेनेजुएला:** ट्रम्प ने तेल और गैस उत्पादन बढ़ाने की बात की और वेनेजुएला को अमेरिका का नया दोस्त बताया।

**वॉर ऑन फ्राड:** ट्रम्प ने कहा कि उनकी सरकार की तरफ से 'धोखाधड़ी के खिलाफ लड़ाई' की लीडरशिप अब उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करेंगे। ट्रम्प ने कहा कि ईरान ऐसी मिसाइल डेवलप कर रहा है जो अमेरिका तक पहुंच सकती हैं। उन्होंने कहा कि ईरान ने पहले ही ऐसी मिसाइल बना ली हैं जो यूरोप और हमारे विदेशों में मौजूद ठिकानों के लिए खतरा हैं और वे ऐसी मिसाइलें बनाने पर काम कर रहे हैं जो जल्द ही अमेरिका तक पहुंच जाएंगी। ट्रम्प का कहना है कि ईरान ने 32,000 प्रदर्शनकारियों को मार डाला। वह अमेरिका को युद्ध में ले जाना चाहता है। ट्रम्प बोले- ईरान का न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम खत्म किया ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने पिछले साल ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी पर हमला कर उसका न्यूक्लियर हथियार प्रोग्राम पूरी तरह खत्म कर दिया।

ट्रम्प ने कहा कि वे पहले कूटनीति से समस्या सुलझाना चाहते थे, लेकिन ईरान ने यह वादा नहीं किया कि वह नाभिकीय हथियार नहीं बनाएगा। उन्होंने कहा कि हमें वह सीक्रेट शब्द नहीं सुनाई दिए कि हम कभी एटमी हथियार नहीं बनाएंगे। ट्रम्प के भाषण के बीच कैपिटल के पास नेशनल मॉल में द पीपल्स स्टेट ऑफ द यूनियन नामक एक खुली रैली में कुछ डेमोक्रेटिक कांग्रेस सदस्य और कार्यकर्ता एकत्रित हुए हैं। आयोजकों ने पिछले सप्ताह कहा था कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य रिपब्लिकन प्रशासन की नीतियों का खामियों को उजागर करना है।

## 'जरूरी खनिजों पर चीन की पकड़ से रक्षा उद्योग को खतरा', अमेरिकी सांसदों ने दी चेतावनी

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में महत्वपूर्ण खनिजों और आधुनिक तकनीकी सप्लाई चेन्स को लेकर चिंता बढ़ रही है। अमेरिकी सांसदों ने चेतावनी दी है कि महत्वपूर्ण खनिजों पर चीन का दबदबा संकट के समय में अमेरिकी रक्षा उद्योग को कमजोर कर सकता है। वहीं, पेंटागन ने घरेलू सप्लाई चेन के पुनर्निर्माण के लिए किए गए विवादित इक्विटी निवेश और मूल्य गारंटी का बचाव किया है।

**'चीन पर अमेरिका की निर्भरता सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरी' :** सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष रोजर विकर ने सप्लाई चेन के पुनर्निर्माण पर कांग्रेस की सुनवाई में कहा, 'यह कोई बढ़ा-चढ़ाकर कहना नहीं होगा कि महत्वपूर्ण खनिजों पर चीन के पर अमेरिका की निर्भरता हमारी सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरियों में से एक है।' उन्होंने चेतावनी दी कि दुर्लभ धातुओं (रेयर अर्थ) के निर्यात में कटौती की धमकियों से अमेरिकी रक्षा उत्पादन घुटनों पर आ जाता और अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान होता। पेंटागन औद्योगिक नीति प्रमुख माइकल कैडेनाजी ने सीनेटरों को बताया कि यह जोखिम तत्काल है। उन्होंने कहा, 'यह कोई सैद्धांतिक जोखिम नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक स्पष्ट और मौजूदा खतरा है।' उन्होंने चेतावनी दी कि बीजिंग इन सप्लाई चेन को हथियार

बना सकता है, जिससे हमारे डिफेंस इंडस्ट्रियल बेस में रुकावट आने और संकट में मिलिट्री की तैयारी से समझौता करने का खतरा है। कैडेनाजी ने बताया कि विभाग ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के तहत और इंडस्ट्रियल बेस फंड के जरिए खनिज क्षेत्र में 97 करोड़ डॉलर का निवेश किया गया और अमेरिका एक व्यापक रणनीति पर काम कर रहा है, जिसमें उत्पादन को वापस लाना, सहयोगियों के साथ काम करना, रिसर्च और रीसाइक्लिंग में निवेश व राष्ट्रीय रक्षा भंडार का आधुनिकीकरण करना शामिल है। उन्होंने दुर्लभ धातुओं के उत्पादन को सुरक्षित करने के लिए 'एमपी मैटेरियल्स समझौते' का जिक्र किया। हालांकि, दोनों दलों के सांसदों ने पेंटागन पर कैलिफोर्निया में एमपी मटेरियल्स नाम की दुर्लभ धातु खनन कंपनी में 40 करोड़ डॉलर की लागत से 15 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी लेने पर सवाल उठाए। रैंकिंग मेंबर जैक रीड ने इस तरह के निवेश के कानूनी आधार पर सवाल उठाया और कहा कि डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट में 'इक्विटी निवेश का बिल्कुल भी जिक्र नहीं है।

## अमेरिका हमले के लिए तैयार लेकिन तेहरान को अभी भी शांति की उम्मीद: ईरानी विदेश मंत्री

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की सैन्य तैयारियों और बयानबाजी से लग रहा है कि अमेरिका, ईरान पर हमले के लिए तैयार है। हालांकि ईरान अभी भी शांति की बात कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक ताजा बयान में कहा है कि ईरान अमेरिका के साथ जल्द से जल्द एक न्यायसंगत और बराबरी वाला समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास एक ऐतिहासिक मौका है, जिसके तहत वे एक ऐसा समझौता कर सकते हैं जैसा पहले कभी नहीं हुआ। अराघची ने यह बात सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखी। यह बयान तेहरान और वॉशिंगटन के बीच होने वाली तीसरे दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता से पहले आया है। यह वार्ता गुरुवार को जिनेवा में होने वाली है। दोनों देश पहले भी दो चरणों में बातचीत कर चुके हैं।

अराघची ने कहा, 'पिछले राउंड में बनी समझ के आधार पर, ईरान जिनेवा में अमेरिका के साथ बातचीत फिर से शुरू करेगा, इस पक्के इरादे के साथ कि वह कम से कम समय में एक सही और बराबर डील करेगा।' उन्होंने कहा, 'हमारे बुनियादी यकीन बिल्कुल साफ हैं, ईरान किसी भी हालत में कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा; न ही हम ईरानी अपने लोगों के लिए शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक के फायदों का इस्तेमाल करने के अपने अधिकार को कभी छोड़ेंगे।' अराघची ने कहा कि दोनों पक्षों के पास एक ऐसा ऐतिहासिक मौका है, जिससे आपसी चिंताओं को दूर किया जा सके और साझा हितों को हासिल किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कूटनीति को प्राथमिकता दी जाए तो डील हो सकती है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाई है। इसके साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच दो दौर की अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता हो चुकी है। इन वार्ताओं में ईरान के परमाणु कार्यक्रम और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई है। मंगलवार को ही, ईरान के राजनीतिक मामलों के डिप्टी विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने कहा कि ईरान यूएस के साथ न्यूक्लियर एग्रीमेंट करने के लिए जो भी जरूरी होगा।

## दावा- नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री ने आत्महत्या की कोशिश की

### एपस्टीन फाइल में नाम आया था; भ्रष्टाचार केस में 10 साल जेल हो सकती है

**ओस्लो, एजेंसी।** नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री थोरब्योर्न जगलैंड को कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना पिछले हफ्ते हुई। कुछ खबरों में दावा किया गया कि नॉर्वेजियन एडिटर्स एसोसिएशन ने उनके वकील के साथ मिलकर इस मामले को सार्वजनिक न करने पर सहमति जताई थी। हालांकि कुछ मीडिया प्लेटफॉर्मस पर उनकी गंभीर हालत का हवाला देते हुए यह खबर सामने आई। यह पूरा मामला यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से उनके संबंधों को लेकर चल रही जांच से जुड़ा है। जगलैंड पर 'एग्रेवेटेड करप्शन' यानी गंभीर भ्रष्टाचार का भी आरोप है, जिसमें अधिकतम 10 साल की जेल हो सकती है। उनके वकील की फर्म एल्डेन लॉ फर्म ने सीएनएन को पुष्टि की कि उन पर गंभीर भ्रष्टाचार

का आरोप तय हुआ है, लेकिन उन्होंने सभी आरोपों से इनकार किया है। क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी मामले की जांच कर रही नॉर्वे की आर्थिक अपराध जांच एजेंसी 'ओकोक्रिम' इस मामले की जांच कर रही है। एजेंसी के डायरेक्टर पॉल लोनसेथ ने कहा कि उनके खिलाफ जांच की मजबूत वजह मिली है। जांच के तहत ओस्लो स्थित उनके घर और दो अन्य प्रॉपर्टी की तलाशी ली गई। एजेंसी ने यह भी कहा कि वह इस बात की जांच कर रही है कि क्या उन्हें अपने पद के दौरान गिफ्ट, यात्राएं, कर्ज या अन्य फायदे मिले थे। तलाशी के बाद उन्हें औपचारिक रूप से संदिग्ध का दर्जा दे दिया गया है और अब उनसे पूछताछ की जाएगी। जगलैंड ने कहा था- एपस्टीन से रिश्ता गलत फैसला था जगलैंड 1996-1997 के बीच नॉर्वे के प्रधानमंत्री रहे। इसके अलावा वे विदेश मंत्री, नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी के चेयरमैन (2009-2015) और यूरोप की मानवाधिकार संस्था काउंसिल ऑफ यूरोप के महासचिव (2009-2019) भी रह चुके हैं। जगलैंड ने कहा है कि एपस्टीन से उनके संबंध 'गलत फैसला' या 'खराब समझ' का नतीजा थे, लेकिन उन्होंने कोई गैरकानूनी काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे और चाहते हैं कि सच्चाई पूरी तरह सामने आए। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से 30 जनवरी को जारी दस्तावेजों से पता चला कि जगलैंड और उनका परिवार कई बार एपस्टीन की पेरिस, न्यूयॉर्क और पाम बीच वाली प्रॉपर्टी पर गए थे। यह भी सामने आया कि एपस्टीन ने उनसे बड़े नेताओं, जैसे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कराने में मदद मांगी थी। साथ ही उसने कुछ अपने कारोबारी और वित्तीय प्लान आगे बढ़ाने के लिए भी मदद चाहता था। दस्तावेजों में जगलैंड को 'नोबेल बिग शॉट' कहा गया। इसमें यह भी लिखा था कि दोनों के रिश्ते ऐसे थे जिनमें एक तरफ जगलैंड का रसूख और पहचान काम आ रही थी, तो दूसरी तरफ एपस्टीन उन्हें लग्जरी ट्रिप, तोहफे और दूसरी सुविधाएं दे रहा था।

## अमेरिका में खास मेहमान बने आम लोग: ट्रंप ने एक सैनिक की पत्नी, पहली कक्षा की बच्ची का किया जिक्र

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन में कुछ आम अमेरिकियों को खास जगह दी। उन्होंने अपनी नीतियों पर बात करने के दौरान एक छोटी बच्ची, एक सैनिक की पत्नी और एक कामकाजी महिला की कहानियों का सहारा लिया। ट्रंप ने इन मेहमानों के जरिए पिछली बाइडेन सरकार की नीतियों पर निशाना साधा और अपनी योजनाओं के फायदे गिनाए।

**अवैध प्रवासी की वजह से घायल हुई बच्ची :** ट्रंप ने सबसे पहले डालिला कोलमैन नाम की एक बच्ची का जिक्र किया। डालिला पहली कक्षा में पढ़ती है। वह एक भयानक कार एक्सीडेंट का शिकार हो गई थी। ट्रंप ने बताया कि यह एक्सीडेंट एक सेमी-ट्रक से हुआ था, जिसे एक गैर-कानूनी विदेशी चला रहा था। उस ड्राइवर के पास कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस (सीडीएल) था।

ट्रंप ने पिछली सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उस ड्राइवर ने साल 2022 में बॉर्डर पार किया था और बाइडेन प्रशासन ने उसे देश में आने दिया था। इस हादसे में डालिला को दिमाग में गहरी चोट (ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी) लगी है और उसे सेरेब्रल पाल्सी हो गया है। अब उसे पूरी जिंदगी देखभाल और थेरेपी की जरूरत होगी। डालिला और उनके पिता इस कार्यक्रम में ट्रंप के साथ मौजूद थे।

**सैनिक की पत्नी और आईवीएफ की चर्चा :** इसके बाद ट्रंप ने कैथरीन नाम की महिला का परिचय दिया। कैथरीन एक सैनिक की पत्नी हैं और पहले स्पेशल एजुकेशन टीचर रह चुकी हैं। वह अपने काम के साथ-साथ आईवीएफ एडवोकेट भी हैं। कैथरीन खुद पिछले पांच साल से ज्यादा समय से मां न बन पाने (इनफर्टिलिटी) की समस्या से जूझ रही हैं। ट्रंप ने अपनी हेल्थकेयर योजना का जिक्र करते हुए बताया कि कैथरीन फरवरी की शुरुआत में लॉन्च हुई ट्रम्प आरएक्स साइट का इस्तेमाल करने वाली पहली मरीज थीं।

**टैक्स कटौती से परिवार को फायदा** इसके साथ ही में ट्रंप ने मेगन हेमहॉसर की भी कहानी सुनाई। मेगन एक बारटेंडर हैं और रात में टेबल वेटर का काम भी करती हैं। इसके अलावा वह अपने दो बच्चों को घर पर ही पढ़ाती हैं। उनके पति भारी मशीनें (इक्विपमेंट) चलाते हैं और परिवार के लिए हर हफ्ते 10 से 15 घंटे ओवरटाइम करते हैं। ट्रंप ने अपनी आर्थिक नीतियों का हवाला देते हुए कहा कि 'वर्किंग फैमिलीज टैक्स कट्स' की वजह से मेगन के परिवार को बड़ा फायदा होगा। उन्हें हर साल 5,000 डॉलर से ज्यादा की एक्स्ट्रा बचत होगी। ट्रंप ने इन कहानियों के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की कि उनकी नीतियां आम अमेरिकी परिवारों की मदद कर रही हैं।

## अमेरिका के न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर के टॉयलेट जाम

**तेल अवीव, एजेंसी।** ईरान की तरफ बढ़ रहा अमेरिकी न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जेराल्ड फोर्ड एक अलग ही संकट से जूझ रहा है। जहाज के ज्यादातर टॉयलेट जाम हो चुके हैं। इससे 4,500 से ज्यादा नौसैनिकों को रोज 45 मिनट तक लाइन में लगना पड़ रहा है। संकरी पाइपलाइन और वैक्यूम-बेस्ड सिस्टम की डिजाइन में खामी के चलते टॉयलेट बार-बार जाम हो रहे हैं। जहाज वैक्यूम-बेस्ड सीवेज सिस्टम पर चलता है, जिसमें एक वाल्व खराब होने से पूरे डिपार्टमेंट का टॉयलेट सिस्टम बंद हो जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टेक्नीशियन और सैनिकों के बीच झड़प की भी खबर है, क्योंकि मरम्मत करने वाले इंजीनियर रोज लगभग 19 घंटे काम कर रहे हैं। पिछले साल मार्च में भी चार दिन में 205 टॉयलेट खराब होने की शिकायत सामने आई थी।

**एयरक्राफ्ट पर 600 से ज्यादा टॉयलेट मौजूद :** यूएसएस जेराल्ड फोर्ड 600 से ज्यादा मौजूद है, जो 10 अलग-अलग जोन में बंटे हैं। यह एयरक्राफ्ट कैरियर बीते आठ महीने से समुद्र में है, लगातार ऑपरेशनल मूवमेंट की वजह से रूटीन मेंटेनेंस नहीं हो पाया है। करीब 13 बिलियन डॉलर की लागत से बना यह युद्धपोत दुनिया का सबसे महंगा माना जाता है।

**क्या है मुसीबत की वजह बना वैक्यूम-बेस्ड सिस्टम:** सीवेज समस्या के पीछे जिस तकनीक का जिक्र हो रहा है, उसे वैक्यूम-बेस्ड वीसीएचटी सिस्टम कहा जाता है। यह आम घरों में इस्तेमाल होने वाले टॉयलेट सिस्टम से बिल्कुल अलग तरीके से काम करता है। वीसीएचटी का पूरा नाम वैक्यूम कलेक्शन, होल्डिंग एंड ट्रांसफर सिस्टम है। यह खास तरह का सीवेज मैनेजमेंट सिस्टम होता है, जो बड़े जहाजों और क्रूज शिप में लगाया जाता है। इसका मकसद कम पानी में टॉयलेट वेस्ट को इकट्ठा करना और सुरक्षित तरीके से स्टोर व ट्रांसफर करना होता है।

**कैसे काम करता है :** घर के टॉयलेट में फ्लश करने पर पानी के दबाव और गुरुत्वाकर्षण (ग्रैविटी) से गंदगी नीचे सीवर में चली जाती है। लेकिन समुद्र में चलने वाले जहाजों पर ऐसा सिस्टम पूरी तरह कारगर नहीं होता वीसीएचटी सिस्टम में फ्लश दबाते ही पाइप में वैक्यूम (सक्शन) बनता है। यह सक्शन गंदगी को खींचकर पाइप के जरिए एक बड़े टैंक तक पहुंचा देता है। बाद में उस वेस्ट को प्रोसेस या डिस्पोज किया जाता है। इसे ऐसे समझें जैसे वैक्यूम क्लीनर धूल को खींच लेता है। यहां भी वही तकनीक टॉयलेट सिस्टम में लागू होती है।

**जहाजों में यह सिस्टम क्यों जरूरी :** विमानवाहक पोत पर हजार से ज्यादा लोग महीनों तक समुद्र में रहते हैं। ऐसे में पानी सीमित होता है, जगह कम होती है। साथ ही पाइपलाइन सीधी नहीं, कई दिशा में जाती है। इसलिए कम पानी में काम करने वाला और लचीला सिस्टम लगाया जाता है। वीसीएचटी सिस्टम कम पानी में फ्लश कर देता है, जिससे पानी की बचत होती है। जेराल्ड आर. फोर्ड पिछले साल जून से लगातार समुद्र में तैनात है। आमतौर पर एयरक्राफ्ट कैरियर की तैनाती नौ महीने की होती है।

## अमेरिका में बर्फीले तूफान से 11 हजार फ्लाइट रद्द, 153 साल में पहली बार अखबार नहीं छप सका

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिका में भीषण तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण एयरपोर्ट पर रनवे बंद करने पड़े और कई जगह उड़ानों पर रोक लगानी पड़ी है। यहां रविवार से मंगलवार के बीच 11,055 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। सिर्फ सोमवार को ही करीब 5,600 से 5,700 उड़ानें कैंसिल हुईं, जो देशभर की उड़ानों का लगभग 20% था। यह जानकारी फ्लाइट ट्रैकिंग कंपनी फ्लाइटअवेयर ने दी। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, रोड आइलैंड और मैसाचुसेट्स के कुछ हिस्सों में लगभग 37 इंच तक बर्फ गिरी। बर्फबारी की वजह से उत्तर-पूर्वी राज्यों में 6 लाख से ज्यादा घरों की बिजली चली गई। सोमवार शाम तक 5 लाख 19 हजार 232 घर और ऑफिस बिना बिजली के थे। भारी बर्फबारी के कारण द बोस्टन ग्लोब अपने 153 साल के इतिहास में पहली बार अखबार नहीं छाप सका क्योंकि कर्मचारी प्रिंटिंग प्रेस तक नहीं पहुंच पाए।

**बर्फबारी से कई राज्यों में इमरजेंसी घोषित :** न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में रविवार से सोमवार के बीच करीब 20 इंच बर्फ दर्ज की गई, जबकि लॉन्ग आइलैंड के इस्लिप इलाके में 22 इंच से ज्यादा बर्फ पड़ी। प्रोविडेंस, रोड आइलैंड में 32.8 इंच बर्फबारी हुई, जिसने 1978 के पुराने रिकॉर्ड 28.6 इंच को तोड़ दिया। हालात इतने खराब हो गए कि कई राज्यों में इमरजेंसी घोषित करनी पड़ी। न्यूयॉर्क सिटी में स्कूलों, सड़कों, पुलों और हाईवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। बाद में हालात सुधरने पर मेयर जोहरान ममदानी ने यह आदेश हटा लिया और कहा कि स्कूल मंगलवार को खुलेंगे। वहीं मैसाचुसेट्स की गवर्नर मॉरा हीली ने कुछ इलाकों में ट्रैवल बैन लागू किया और लोगों से घर में रहने की अपील की। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने भी पूरे राज्य में ट्रैवल बैन लगा दिया। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने भी पूरे राज्य में इमरजेंसी की घोषणा की और नेशनल गार्ड को अलर्ट पर रखा है।

**न्यूयॉर्क में ट्रेन सेवा भी सस्पेंड रही :** तूफान का असर सिर्फ सड़कों और हवाई सेवाओं तक सीमित नहीं रहा। न्यूयॉर्क और बोस्टन के बीच ट्रेन सेवा सोमवार रात तक सस्पेंड रही। थिएटर ब्रॉडवे के सभी शो रविवार शाम रद्द कर दिए गए। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों ने कहा कि यह पिछले लगभग एक दशक का सबसे शक्तिशाली नॉरईस्टर तूफान है। कई इलाकों में प्रति घंटे 2 से 3 इंच तक बर्फ गिरने की चेतावनी दी गई है और हवा की रफ्तार कुछ जगह 110 मील प्रति घंटे तक पहुंच गई। नॉरईस्टर एक तरह का तेज तूफान होता है जो अमेरिका के पूर्वी तट पर आता है। इसे नॉरईस्टर इसलिए कहते हैं क्योंकि इसमें हवाएं आमतौर पर उत्तर-पूर्व (नॉर्थ-ईस्ट) दिशा से चलती हैं।

**गर्म और नम हवा मिलकर बनाती है यह तूफान :** अमेरिका के उत्तर-पूर्व में आने वाला यह विंटर स्टॉर्म इसलिए बनता है क्योंकि वहां मौसम की कुछ खास स्थितियां एकसाथ बन जाती हैं। सर्दियों में कनाडा की तरफ से बहुत ठंडी हवा नीचे की ओर आती है। उसी समय समुद्र की तरफ से हल्की गर्म और नम हवा ऊपर उठती है। जब ये दोनों आमने-सामने आती हैं तो मौसम अचानक बिगड़ जाता है और तेज बर्फीला तूफान बन जाता है। समुद्र भी इसमें बड़ी भूमिका निभाता है। अटलांटिक महासागर का पानी ठंड के मुकाबले थोड़ा गर्म रहता है। इससे हवा में नमी बढ़ती है। जब यह नमी ठंडी हवा से मिलती है तो भारी बर्फ गिरने लगती है। आसमान में तेज रफ्तार से चलने वाली हवाएं भी इस सिस्टम को और ताकत देती हैं। इन हवाओं को जेट स्ट्रीम कहते हैं। स्थिति इतनी गंभीर रही कि 153 साल के इतिहास में पहली बार 'द बोस्टन ग्लोब' अखबार का प्रिंट संस्करण प्रकाशित नहीं हो सका, क्योंकि भारी बर्फबारी के कारण कर्मचारी प्रिंटिंग प्रेस तक पहुंच ही नहीं पाए।

# टी20 विश्वकप सुपर-8 : दक्षिण अफ्रीका का अजेय अभियान जारी, वेस्टइंडीज को रौंदकर सेमीफाइनल में मारी एंट्री

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडेन मारक्रम (नाबाद 82 रन) के अर्धशतक के साथ उनकी दो साझेदारियों से बृहस्पतिवार को यहां सुपर आठ के मैच में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजी में भी कमाल किया। टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति की बदौलत जीत की लय जारी रखी।

### दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए

यह उनकी लगातार छठी जीत थी जिससे उन्होंने टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज के अजेय क्रम पर लगाम लगाई। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए जिससे मेजबान भारत की अब क्वालीफिकेशन की उम्मीदें मजबूत हो गई हैं। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार से भारत की उम्मीदों को झटका लगा था। इस हार से कैरेबियाई टीम के नेट रन रेट पर असर पड़ा जो 5.350 से घटकर 1.791 हो गया।

### दक्षिण अफ्रीका की सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की की

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने पहले दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरा जिसने निचले क्रम के बल्लेबाज रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 52) और जेसन होल्डर (49) के बीच रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत वापसी करते हुए आठ विकेट पर 176 रन बनाए। फिर दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान मारक्रम (46 गेंद, सात चौके, चार छक्के) के अर्धशतक और क्विंटन डिकॉक (47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 7.5 ओवर में 95 रन की भागीदारी और रेयान रिकलटन (नाबाद 45 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंद में 82 रन की अटूट साझेदारी से 16.1 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले के छह ओवर में 69 रन बनाकर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने नियंत्रण बनाए रखा। मारक्रम और डिकॉक ने तेज गेंदबाजों और स्पिनर दोनों पर आराम से रन जुटाकर शानदार साझेदारी की। डिकॉक ने 24 गेंद की अपनी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। लेकिन वह लांग ऑन पर जेसन होल्डर को कैच देकर आउट हो गए। मारक्रम ने गुडाकेश मोती की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। रिकलटन क्रीज पर उतरे और उन्होंने मारक्रम का अच्छा साथ निभाया। मारक्रम ने जेसन होल्डर की गेंद पर सीधा चौका लगाकर मैच स्टाइल से खत्म किया।

इससे पहले पिछले मैच में जिम्बाब्वे पर शानदार जीत दर्ज करने वाली वेस्टइंडीज ने सात ओवर के अंदर 60 रन में पांच विकेट गंवा दिए थे।

इसमें दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा (22 रन देकर दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (30 रन देकर तीन विकेट) ने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय सात विकेट पर 83 रन था लेकिन शेफर्ड (37 गेंद, तीन चौके, चार छक्के) और होल्डर (31 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) ने मिलकर आठवें विकेट के लिए 57 गेंद में 89 रन की रिकॉर्ड साझेदारी करके टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने स्पिनर केशव महाराज से शुरूआत कराई लेकिन कप्तान शाई होप (16) ने शुरू में ही जोश दिखाते हुए दो छक्के और एक चौका लगा दिया। दूसरे छोर पर ब्रैंडन किंग (21 रन) ने मार्को यानसेन के बाउंड्री लगाई जिससे वेस्टइंडीज ने दो ओवर में 29 रन बना लिए। पर इसके बाद शीर्ष क्रम के चरमराने के सिलसिला शुरू हुआ। रबाडा ने होप को कैच आउट कराया।

फिर शिमरोन हेटमायर (02) भी आउट हो सकते थे लेकिन कॉर्बिन बॉश ने मिड-ऑन पर उनका कैच छोड़ दिया। हालांकि रबाडा ने तीन गेंद बाद हेटमायर को पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद फॉर्म में चल रहे एनगिडी ने चौथे ओवर में दोहरा झटका दिया। किंग ने उन पर लगातार दो चौके लगाने के बाद कैच आउट हो गए। फिर दो गेंद बाद एनगिडी ने रोस्टन चेस (02) के स्टंप उखाड़ दिए। इस तरह वेस्टइंडीज ने 10 गेंद के अंदर चार विकेट खो दिए थे और चार ओवर के बाद उनका स्कोर चार विकेट पर 44 रन था। शेरफाने रदरफोर्ड (12) ने थोड़ी कोशिश की और बॉश की गेंद पर मिडविकेट के ऊपर से एक लंबा छक्का लगाया लेकिन अगली ही गेंद पर विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक को कैच देकर आउट हो गए।

एनगिडी ने तीसरा विकेट रोवमैन पॉवेल (09) के रूप में लिया जिससे वेस्टइंडीज ने 71 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। मैथ्यू फोर्ड (11) एक छक्का लगाने के तुरंत बाद बॉश का दूसरा शिकार बने। फिर लग रहा था कि वेस्टइंडीज की टीम जल्द ही सिमट जाएगी, होल्डर और शेफर्ड ने टीम को संभाला। होल्डर ने अंत में यानसेन के एक ओवर में 22 रन बनाए। लेकिन वह अंतिम ओवर की दूसरी गेंद पर रन आउट हो गए।

# मियोमिर केकमानोविच ने ज्वेरेव को चौंकाया, मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचे

**अकापुल्को (मेक्सिको) (एजेंसी)।** मियोमिर केकमानोविच ने दुनिया के नंबर 4 अलेक्जेंडर ज्वेरेव को तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में चौंका दिया और अपनी पहली टॉप 5 जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही वह मेक्सिको के अकापुल्को में एबिएर्तो मेक्सिकनो टेलसेल के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए। दुनिया में 84वें नंबर पर काबिज 26 साल के सर्बियाई खिलाड़ी ने ढाई घंटे से ज़्यादा चले कड़े मुकाबले में 2021 के चैंपियन को 6-3, 6-7(3), 7-6(4) से हराया।

केमानोविच, जो टॉप 5 विरोधियों के खिलाफ अपने पिछले सभी 11 मैच हार चुके थे, ने अपने करियर के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक दिया, और यादगार जीत पक्की करने के लिए निर्णायक टाई-ब्रेक में अपना धैर्य बनाए रखा। मैच के बाद केकमानोविच ने कहा, 'यह बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि पिछले कुछ साल मुश्किल रहे हैं। इसलिए मैं खुश हूं कि आखिरकार कुछ चीजें मेरे हिसाब से हो रही हैं।'

उन्होंने खास मौकों पर अग्रेसिव तरीके से खेला और असरदार सर्व किया, जबकि ज्वेरेव अपने बैकहैंड पर कंसिस्टेंसी के लिए जूझते रहे, उन्होंने 17 अनफोर्स्ड 'गलतियां कीं, जबकि केकमानोविच ने छह गलतियां कीं। इस जीत के साथ, केकमानोविच ने जर्मन खिलाड़ी के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-2 से बराबर कर लिया और एटीपी 500 इवेंट के आखिरी आठ में पहुंच गए, जहां उनका सामना फ्रांस के टेरेंस एटमाने से होगा, जिन्होंने राफेल जोडार को 6-2, 4-6, 6-1 से हराया।

दूसरे मैचों में पांचवीं सीड फ्लेवियो कोबोली ने डालिबोर स्वर्सिना को 6-4, 6-4 से हराया और अब उनका अगला मैच चीन के वू यिबिंग से होगा जिन्होंने जापान के शो शिमाबुकुरो को 6-3, 7-6(4) से हराया। इस बीच अमेरिकन ब्रैंडन नाकाशिमा ने अपने ही देश के पैट्रिक किप्सन को 6-4, 6-4 से हराकर अपनी 100वीं टूर-लेवल हार्ड-कोट 'जीत दर्ज की। किप्सन ने इससे पहले पिछले राउंड में दूसरे सीड एलेक्स डी मिनौर को चौंका दिया था।

# टी20 विश्वकप सेमीफाइनल से अब कौन सी टीम बाहर होगी ?

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** टी20 विश्वकप सुपर-8 से अब तक एक टीम श्रीलंका बाहर हो गयी है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। वहीं अब एक और टीम का बाहर होना तय है। ये मुकाबला मैच ग्रुप-1 में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम के प्रशंसक वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की जीत चाहेंगे क्योंकि इससे भारतीय टीम के सेमीफाइनल की उम्मीदें बनी रहेंगी।

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज, दोनों का रनरेट बहुत अच्छा है। ऐसे में इस मुकाबले की विजेता टीम के पास सेमीफाइनल में पहुंचने का अच्छा अवसर है।

ग्रुप-1 की अंकतालिका पर नजर डालें तो चारों टीमों ने अपना एक-एक सुपर 8 मैच खेल लिया है। वेस्टइंडीज दो अंक और सबसे बेहतर रनरेट प्लस 5.350) के साथ नंबर-1 पर बनी हुई है। उसने जिम्बाब्वे को 107 रनों से हराया था। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका की टीम के भी दो अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका का रनरेट प्लस 3.800 है। भारत के खिलाफ जीत के साथ ही उसे दो अंक मिले थे। वहीं भारत और जिम्बाब्वे को टीमें अपना-अपना पहला सुपर 8 मैच हारकर तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।भारत का रनरेट -3.800 है, जबकि जिम्बाब्वे का रनरेट -5.350 है। भारत और जिम्बाब्वे के मुकाबले में हारने वाली टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी।

# ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में वापसी करने को तैयार हरमनप्रीत

**होबर्ट (एजेंसी)।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुरुवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के साथ वापसी करने उतरेगी। भारतीय टीम को पहले एकदिवसीय में 6 विके से हार का सामना करना पड़ा था ऐसे में मेजबान टीम तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे है। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर भी फिट हो गयी हैं। हरमनप्रीत को पहले एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा है कि हरमनप्रीत अब ठीक है और खेलने जा रही हैं। पहले एकदिवसीय में बल्लेबाजी के दौरान घुटने में चोट लगने से हरमनप्रीत मैदान पर नहीं लौट पाई थीं, जिससे टीम की चिंताएं बढ़ गई थीं।

वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड

(बीसीसीआई) की ओर से कहा गया है कि हरमनप्रीत को बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी थी और मेडिकल स्टाफ उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। कप्तान के नहीं होने से उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली। वहीं अब अब कप्तान की वापसी से प्रबंधन को भी राहत मिली है।

पहले मुकाबले में भारतीय टीम 48.3 ओवर में 214 रन ही बना पायी थी जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट शेष रहते 38.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली थी। अब भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा।

दीप्ति ने कहा कि टीम ने पहले एकदिवसीय में अच्छा प्रदर्शन किया था हालांकि टीम जीत हासिल करने में सफल नहीं रही। उन्होंने कहा कि टीम दूसरे मुकाबले में और प्रयास करेगी। साथ ही कहा कि टीम अपनी पिछली गलतियों से उबरकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज से पहले शानदार प्रदर्शन कर टी20 सीरीज जीती थी और उसी प्रदर्शन से टीम प्रेरित होकर उतरेगी। भारतीय टीम जानती है कि ऑस्ट्रेलिया जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ निरंतरता बनाए रखना उसके लिए आसान नहीं रहेगा।

## इंग्लैड-न्यूजीलैंड मैच पर टिकीं पाकिस्तान की संभावनाएं

कोलंबो । न्यूजीलैंड की श्रीलंका के खिलाफ जीत से न केवल सह मेजबान श्रीलंकाई टीम आईसीसी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल से बाहर हो गयी है बल्कि इससे पाकिस्तान की संभावनाएं भी घटी हैं। न्यूजीलैंड की टीम अब प्लस 3.050 के रन रेट से अंक तालिका में काफी आगे बढ़ गयी है। ऐसे में पाक टीम के सेमीफाइनल की संभावनाएं अब दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर हो गयी है। पाक टीम अब उम्मीद करेगी कि हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली इंग्लैंड की टीम शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में न्यूजीलैंड को हरा दे। इस मुकाबले में अगर इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है, तो पाकिस्तान के पास अपने अंतिम मैच में श्रीलंका को बड़े अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने का अवसर रहेगा। इस दौरान पाक टीम चाहेगी कि न्यूजीलैंड की हार और उनकी अपनी जीत का अंतर इतना बड़ा हो कि वह न्यूजीलैंड का नेट रन रेट (प्लस 3.050 को पीछे छोड़ सके। पाक टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि इंग्लैंड के खिलाफ उसे बड़ी हार नहीं मिली थी। ऐसे में उसका नेट रन रेट अभी भी अच्छा बना हुआ है।

# वेस्टइंडीज के खिलाफ अधिक प्रयोग से बचे भारतीय टीम : पोंटिंग

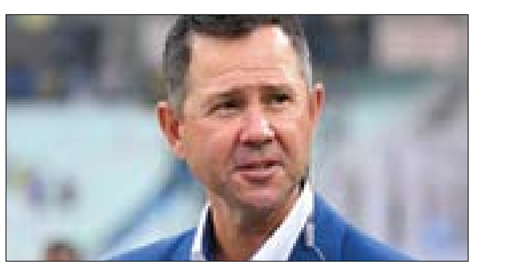

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले सुपर-8 मुकाबले को देखते हुए एक अहम सलाह दी है। पोंटिंग का कहना है कि इस मैच में भारतीय टीम को अधिक बदलाव नहीं करते हुए वहीं अंतिम ग्यारह उतारनी चाहिये जो अबतक तक खेलती आई है। पोंटिंग के अनुसार अधिक प्रयोग कि रणनीत नुकसानेह साबित हो सकती है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार बड़े टूर्नामेंट में स्थिरता और संतुलन से ही जीत मिलती है। इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में अपना संयोजन बदला था जिससे उसे काफी नुकसान हुआ था। उस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजी होने के कारण उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को अवसर दिया था पर ये प्रयोग विफल रहा। उस मैच में सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही विफल रहे थे। पोंटिंग ने कहा कि केवल विरोधी टीम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण ही बदलाव नहीं किया जाना चाहिये। इस कारण अक्षर को बाहर रखना सही फैसला नहीं था। उनके अनुसार कप्तान को अपनी समझ के अनुसार गेंदबाजों का सही समय पर इस्तेमाल करना चाहिये। पोंटिंग का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट में जरुरत से अधिक रणनीतिक बदलाव कभी-कभी विपरीत प्रभाव डालते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को अब सरल सोच अपनानी चाहिए और अपनी सबसे संतुलित टीम मैदान में उतारनी चाहिए।दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण के सामने भारतीय बल्लेबाजी बेबस नजर आयी थी। मार्को जेनसन और केशव महाराज ने उस मैच में भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था।

# टी20 विश्वकप सुपर-8 में आज इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी न्यूजीलैंड

**कोलंबो (एजेंसी)।** श्रीलंका के खिलाफ जीत से उत्साहित न्यूजीलैंड की टीम शुक्रवार को यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-8 मैच में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। कीवी टीम के स्पिनरों ने श्रीलंकाई टीम के खिलाफ काफी अच्छी गेंदबाजी की थी और वह यही सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ भी जारी रखना चाहेगी। कीवी टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर काफी अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ भी टीम को मिलेगा। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम पहले ही अपने दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गयी है और उसका लक्ष्य इस मैच में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर सेमीफाइनल के लिए लय बनाये रखना रहेगा। कप्तान हैरी ब्रूक के अलावा उसके उन्य बल्लेबाज पिछले सुपर-8 मैच में पाकिस्तान के खिलाफ असफल रहे थे। ऐसे में वे अपना फार्म हासिल करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत के बाद न्यूजीलैंड का नेट रन रेट काफी अच्छा प्लस 3.050 हो गया है। ऐसे में इस मैच में जीत के साथ वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी पर अगर वह मामुली अंतर से हारती भी है तो भी उसकी सेमीफाइनल की संभावनांए बनी रहेंगी। वहीं इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान का नेट रन रेट माइनस 0.461 हो गया है। ऐसे में पाक टीम नेट रन रेट

में तभी आगे निकल सकती है जब न्यूजीलैंड को मैच में बड़ी हार मिले। न्यूजीलैंड की टीम जिस प्रकार श्रीलंका के खिलाफ छह स्पिनरों के साथ सहजता से उतरी थी उससे तय है कि इस मैच में भी वह उसी टीम के साथ उतरेगी।

इस मैच में न्यूजीलैंड के स्पिनरों और इंग्लैंड के बल्लेबाजों के बीच रोमांचक मुकाबला होना तय है। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक और ऑलराउंडर विल जैक्स दोनों ने ही पाक स्पिनरों साइम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान के सामने काफी अच्छी बल्लेबाजी की थी और उनका लक्ष्य कीवी टीम के खिलाफ इसी प्रदर्शन को बनाये रखना रहेगा हालांकि ये इतना आसान नहीं रहेगा क्योंकि कीवी स्पिनर मिचेल सैंटनर, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स और कोल मैककॉन्ची प्रेमदासा स्टेडियम की पिच पर कहर ढ़ा सकते हैं।

ब्रूक अच्छी फॉर्म में हैं पर अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर का फार्म में नहीं होना इंग्लैंड के लिए चिन्ताजनक है। टीम को अपने गेंदबाजों विल जैक्स और लियाम डॉसन से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। प्रेमदासा की पिच पर अगर स्पिनर गेंदबाजी कर रहे हों तो 165 से 175 रन भी काफी अच्छे माने जाएंगे।

वहीं न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रविंद्र का मानना है कि उनका स्पिन आक्रमण अच्छा है पर इंग्लैंड को कम आंकना भूल होगी। रविंद्र ने कहा, इस तरह के मुकाबले में खेलने के लिए हमेशा ही आत्मविश्वास बनाये रखना होता है क्योंकि हमें अंदाजा है कि पिच कैसी होगी पर मुझे लगता है कि किसी भी समय इंग्लैंड को कम करके आंकना गलती होगी।

विरोध टीम काफी अच्छी है। उनके गेंदबाज अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं और उनके पास बल्लेबाजी क्रम में विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं। साथ ही कहा कि टी20 प्रारुप में कुछ भी हो सकता है जो टीम मैच के दिन अच्छा खेलेगी जीत उसकी की होगी। श्रीलंका के खिलाफ जीत से टीम का मनोबल बढ़ा है जिसका लाभ उसे मिलेगा।

### दोनो ही टीमें इस प्रकार है

**इंग्लैंड :** हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, फिल साल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, सैम करेन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, लाइक वुड

**न्यूजीलैंड :** मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, डेवोन कॉनवे, मार्क चैपमैन, कोल मैककॉन्ची, डैरिल मिचेल, जेम्स नीशम, रचिन रविंद्र, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, इश सोढ़ी।

# विनीसियस के गोल से रियाल मैड्रिड बेनफिका को हराकर अंतिम 16 में पहुंची

मैड्रिड । विनीसियस जूनियर के गोल से रियाल मैड्रिड की टीम बेनफिका को 2-1 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल के अंतिम 16 में पहुंच गयी है। दूसरे चरण के इस मुकाबले में रियाल जीत के साथ ही अब 3-1 से आगे हो गयी है। उसने पहला चरण भी 1-0 से जीता था। दूसरे चरण में बेनफिका की ओर से 14वें मिनट में राफा सिल्वा ने गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं दो मिनट बाद ही ऑरेलियन चोउमेनी ने एक गोल कर रियाल को बढ़त दिला दी। मैच के 80वें मिनट में विनीसियस जूनियर ने एक गोल कर स्कोर 2-। कर दिया। वहीं एक अन्य मुकाबले में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने मोनाको को 3-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। दोनों टीमों के बीच दूसरा चरण 2-2 से बराबरी पर रहा, हालांकि पहले चरण में मिली बढ़त से पीएसजी को लाभ हुआ। एक अन्य मुकाबले में इटली की अटलांटा ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को दूसरे चरण में 4-1 से हराया। इस जीत के साथ ही अटलांटा अंतिम 16 में पहुंच गयी। एक अन्य मुकाबले में युवेंटस गैलाटासराय के खिलाफ दूसरे चरण में 3-2 से जीत के बाद भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी ।

# पीएसजी ने चैंपियंस लीग फुटबॉल में मोनाको को हराकर अगले दौर में जगह बनायी

पेरिस । पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) क्लब यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल में जीत के साथ ही अंतिम-16 में पहुंच गयी है। पीएसजी ने प्ले-ऑफ के दूसरे लेग में एएस मोनाको के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलते हुए कुल 5-4 की बढ़त के साथ ही अंतिम-16 में जगह बनायी है। इस मुकाबले के पहले हाफ से ही मोनाको ने अच्छी शुरुआत करते हुए एक गोल दागकर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। वहीं दूसरे हाफ में पीएसजी के कप्तान मार्क्विनहोस ने डेसिरे डूए के क्रॉस पर गोल दागकर अपनी टीम को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने एक गोल कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। वहीं मोनाको के स्थानापन्न खिलाड़ी जॉर्डन टेजे ने अतिरिक्त समय में गोल कर मुकाबले को 2-2 से बराबरी पर लाकर एक बार फिर रोमांचक बना दिया। अंत में पीएसजी ने 5-4 की बढ़त हासिल करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। वहीं पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने कहा, हम काफी कठिन टीमों से खेलना पड़ा है। अब हमें चेल्सी और बार्सिलोना जैसी बेहतरीन टीमों से खेलना है। इस इस प्रकार के मुकाबले के लिए तैयार हैं। वहीं एक अन्य मुकाबले में गैलाटसराय ने जुवेंटस को वापसी नहीं करने दी और 7-5 के कुल स्कोर से राउंड ऑफ 16 में जगह बनायी। गैलाटसराय एस.के. ने जुवेंटस एफसी को रोमांचक मुकाबले में हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहले लेग के बाद तीन गोल से पिछड़ने के बावजूद मेजबान टीम ने हार नहीं मानी और मुकाबले को अतिरिक्त समय तक खींच लिया।

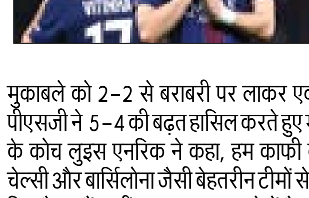

# टी20 विश्व कप : अभिषेक को ब्रेक देता, अहम मुकाबले से पहले पूर्व बल्लेबाज का बड़ा बयान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 चरण में भारत के लिए ज़िम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला करो या मरो जैसा बन गया है। चेन्नई के चेपॉक में होने वाले इस अहम मैच से पहले पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे अभिषेक शर्मा को आराम देकर संजू सैमसन को मौका दिया जाना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका से मिली करारी हार के बाद टीम इंडिया पर दबाव बढ़ गया है और हर चयन अब निर्णायक साबित हो सकता है।

### सहवाग की स्पष्ट सलाह: अभिषेक को दें ब्रेक

वीरेंद्र सहवाग ने साफ कहा कि इतने महत्वपूर्ण मैच में फॉर्म को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनके अनुसार, यदि वह टीम मैनेजमेंट

का हिस्सा होते तो अभिषेक शर्मा को आराम देकर संजू सैमसन को आजमाते। अभिषेक का मौजूदा टूर्नामेंट बेहद निराशाजनक रहा है। ग्रुप स्टेज में वह लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुए और सुपर 8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिर्फ 12 गेंदों में 15 रन बना सके। बीमारी और लय की कमी ने उनके आत्मविश्वास पर भी असर डाला है।

### नेट रन रेट और दबाव की स्थिति

टी20 विश्व कप में भारत की स्थिति फिलहाल अस्थिर है। दक्षिण अफ्रीका से 76 रन की हार के बाद टीम का नेट रन रेट -3.800 तक गिर गया है। यदि वेस्ट इंडीज अपने मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराता है, तो समीकरण और जटिल हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में कप्तान Suryakumar Yadav की अगुवाई वाली टीम को न सिर्फ जीत दर्ज करनी होगी, बल्कि बड़े अंतर से जीत की कोशिश भी करनी पड़ेगी। हर चयन और रणनीति टूर्नामेंट में बने रहने के लिहाज से अहम हो गई है।

### क्या रणनीति में बदलाव जरूरी है?

सहवाग ने टीम की रणनीति का बचाव करते हुए कहा कि समस्या टैक्टिक्स में नहीं, बल्कि क्रियान्वयन में रही है। उनके मुताबिक चयन में कुछ बदलाव हो सकते हैं, लेकिन असली जरूरत बेहतर प्रदर्शन की है। Tilak Varma भी इस टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टॉप और मिडिल ऑर्डर की नाकामी ने मध्यक्रम पर अतिरिक्त दबाव डाला है। यही कारण है कि चयन को लेकर बहस तेज हो गई है।

### मिडिल ऑर्डर की चुनौती

अभिषेक और तिलक की संघर्षपूर्ण फॉर्म के कारण टीम का संतुलन प्रभावित हुआ है। बैटिंग कोच सीतांशु कोटक ने भी ज़िम्बाब्वे मुकाबले से पहले इस मुद्दे को स्वीकार किया था और सुधार की जरूरत पर जोर दिया था। यदि टॉप ऑर्डर जल्दी आउट होता है, तो मिडिल ऑर्डर पर रन गति बनाए रखने की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसे में अनुभवी विकल्प के तौर पर संजू सैमसन को शामिल करना एक रणनीतिक कदम हो सकता है।

### चेपॉक में निर्णायक परीक्षा

चेन्नई की पिच स्पिन और धीमी गेंदबाज़ी के लिए जानी जाती है, जहां शॉट चयन और धैर्य अहम भूमिका निभाते हैं। टीम मैनेजमेंट को यह तय करना होगा कि क्या युवा खिलाड़ियों को एक और मौका दिया जाए या अनुभव को प्राथमिकता दी जाए।

जिम्बाब्वे के खिलाफ यह मुकाबला सिर्फ एक लीग मैच नहीं, बल्कि भारत के टी20 वर्ल्ड कप अभियान का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है। सहवाग की सलाह ने चयन पर बहस को और तेज कर दिया है, और अब सबकी नजरें प्लेइंग इलेवन पर टिकी हैं।

# अरेंज मैरिज को भी तैयार हैं मृणाल ठाकुर; खुद को बताया धनुष की बड़ी फैन

मृणाल ठाकुर इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म 'दो दीवाने सहर में' को लेकर चर्चाओं में हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री अपनी शादी की खबरों को लेकर भी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस बीच मृणाल का धनुष के साथ भी लगातार नाम जोड़ा जा रहा है। हालांकि, अभिनेत्री लगातार इन खबरों का खंडन करती रही हैं। अब अभिनेत्री ने एक बार फिर शादी और धनुष से अफेयर की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही बताया कि घर में उनकी शादी को लेकर माता-पिता की क्या राय है। बातचीत में मृणाल ने बताया कि घर में शादी को लेकर चर्चाएं अब आम बात हो गई हैं। उन्होंने कहा कि माता-पिता के मन में शादी की घंटियां बजती रहती हैं, मानो वे दिन में सपने देख रहे हों। कल रात ही पापा ने मुझसे कहा, 'अब तुम्हें शादी कर लेनी चाहिए।' मैंने कहा, 'क्यों न आप अपनी बहन को फोन करके पूछें कि क्या वह आपकी बेटी के लिए कोई अच्छा लड़का जानती है?' उन्होंने पूछा, 'लड़का कहां है?' मैंने कहा, 'बिल्कुल - लड़का कहां है?' अगर आप मुझसे ही यह सवाल पूछ रहे हैं, तो मैं क्या कहूं? यही तो हर घर की कहानी है।

## अरेंज मैरिज से मृणाल को नहीं कोई दिक्कत

अभिनेत्री ने आगे कहा कि मुझे तयशुदा शादी से बिल्कुल भी डर नहीं लगता, क्योंकि मेरे लिए कोई सही रिश्ता मिलता ही नहीं है। हां, इतना तय है कि शादी सिर्फ दिखावे के लिए नहीं की जानी चाहिए। पहले, अरेंज मैरिज का मतलब होता था कि माता-पिता आपका परिचय किसी से करवाते थे। अब तो दोस्त भी लोगों का रिश्ता करवा देते हैं। यह भी एक तरह का अरेंजमेंट ही है। अंततः मायने यह रखता है कि चाहे प्यार हो या अरेंज मैरिज, अगर दो लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं और उनके बीच तालमेल बैठता है, तो वही मायने रखता है। वरना कुछ भी काम नहीं करता। आपको एक-दूसरे से जुड़ना होगा। परिवारों की सहमति भी जरूरी है। शादी सिर्फ एक पुरुष और एक महिला के बीच नहीं होती, यह दो परिवारों के बीच होती है। अगर सभी सहमत हैं, तो फिर शादी क्यों नहीं?

## मृणाल ने की धनुष की तारीफ

पिछले कुछ वक्त से मृणाल का नाम धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, मृणाल लगातार इन खबरों को नकारती रही हैं। इस बीच पिछले दिनों एक इंटरव्यू में मृणाल ने धनुष की जमकर तारीफ की थी। खुद को धनुष की बड़ी फैन बनाते हुए मृणाल ने कहा, 'रायन', 'मारी', 'रांझणा', 'कैप्टन मिलर' और 'असुरन' जैसी फिल्में देखने के बाद मैं उनकी बहुत बड़ी फैन बन गई हूं। मैं असुरन कई बार देख सकती हूं। वो एक इंस्टीट्यूट हैं। वो गीतकार, लेखक, डांसर, अभिनेता, निर्देशक, न जाने क्या-क्या हैं।

# 'वाराणसी' को अपने लिए काफी खास फिल्म मानती हैं प्रियंका चोपड़ा

**प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' को लेकर चर्चाओं में हैं। लेकिन अभिनेत्री एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म 'वाराणसी' को लेकर काफी उत्साहित हैं।**

प्रियंका इस फिल्म से भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यही कारण है कि प्रियंका 'वाराणसी' को अपने लिए काफी खास फिल्म मानती हैं। प्रियंका चोपड़ा हाल ही में पति निक जोनस के साथ 'द ब्लफ' के वर्ल्ड प्रीमियर में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने 'वाराणसी' को लेकर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने इसे करियर-डिफाइनिंग बताते हुए कहा कि 'वाराणसी' उनके लिए एक महत्वपूर्ण फिल्म है। सात साल बाद किसी भारतीय फिल्म से दूर रहने के बाद, इस फिल्म को पहले से ही आने वाले समय की सबसे बड़ी सिनेमाई घटनाओं में से एक माना जा रहा है। प्रियंका ने निर्देशक राजामौली को भारत के सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्माताओं में से एक बताया। साथ ही कहा कि वो अपनी इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित हैं।

## अगले साल 7 अप्रैल को रिलीज होगी फिल्म

एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित 'वाराणसी' की घोषणा पिछले साल की गई थी। हैदराबाद में फिल्म का एक बड़ा इवेंट हुआ था, जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट नजर आई थी। इस फिल्म में महेश बाबू रुद्र के किरदार में नजर आएंगे। वो फिल्म में भगवान राम के अवतार में भी दिखाई देंगे। इसके अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन विलेन की भूमिका निभाएंगे, उनके किरदार का नाम कुंभा है। जबकि प्रियंका चोपड़ा फिल्म में मंदाकिनी के किरदार में दिखाई देंगी। 'वाराणसी' 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

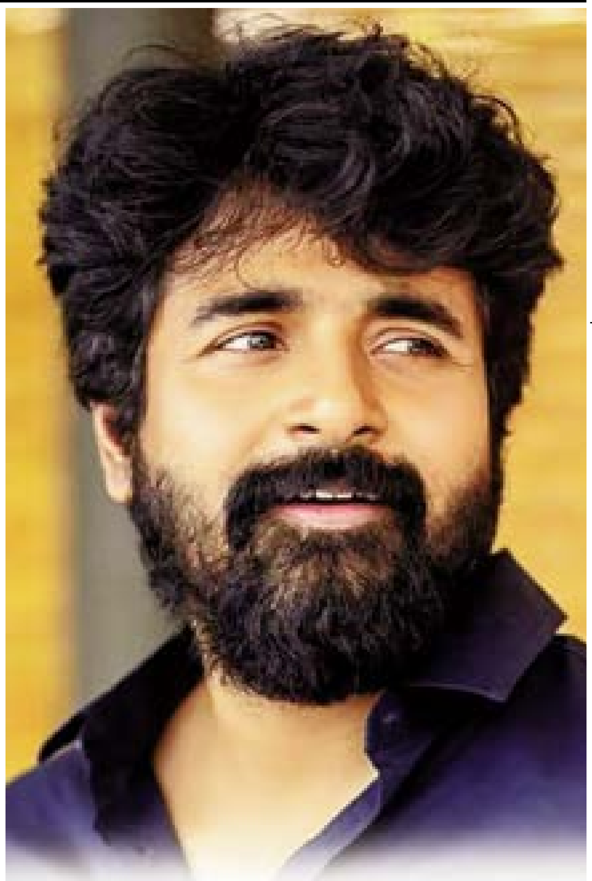

# 'सेयोन' में नए अंदाज में नजर आए शिवकार्तिकेयन

**अभिनेता शिवकार्तिकेयन के 41वें जन्मदिन पर निर्माताओं ने फिल्म 'सेयोन' का टीजर रिलीज कर दिया है। इस फिल्म के निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन हैं और फिल्म का निर्माण कमल हासन ने किया है।**

शिवकार्तिकेयन के 41वां जन्मदिन के मौके पर निर्माताओं ने उनकी नई फिल्म 'सेयोन' का पहला टीजर रिलीज किया है। यह टीजर काफी दमदार है और शिवकार्तिकेयन के फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। टीजर में शिवकार्तिकेयन एक बहुत ताकतवर और लगभग भगवान जैसे किरदार में नजर आ रहे हैं, जिसे लोग भगवान विरुमंडी कहकर बुलाते हैं।

## क्या है 'सेयोन' की कहानी

कहानी एक गांव के मंदिर उत्सव (मासी कलारी) के दौरान शुरू होती है, जहां पुलिस एक झगड़े की जांच कर रही है। लोग एक रहस्यमयी व्यक्ति के बारे में बात करते हैं। जब शिवकार्तिकेयन का किरदार थाने पहुंचता है, तो लोग उनके पैर छूते हैं और बहुत सम्मान से स्वागत करते हैं। एक पुलिस इंस्पेक्टर कहता है, 'ये भगवान विरुमंडी हैं।' एक बुजुर्ग महिला चिल्लाती है, 'ओजी वापस आ गया है'। इसके बाद एक झड़प होती है, जिसमें उनका किरदार किसी से हाथापाई करता है। देखते ही देखते यह पूरा सीन जोरदार एक्शन में बदल जाता है।

## 'सेयोन' के निर्माता हैं कमल हासन

फिल्म का नाम 'सेयोन' है और इसमें विरुमंडी का जिक्र कमल हासन की पुरानी फिल्म 'विरुमंडी' (2004) से जोड़ा गया है, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। टीजर में एक व्यक्ति बताता है कि शिवकार्तिकेयन का किरदार पहले सेना में था और बाद में गांव के संघर्ष में शामिल हो गया।

यह फिल्म शिवकार्तिकेयन और निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन की साथ में पहली फिल्म है। कमल हासन की कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल इसे बना रही है। फिल्म में संगीत संतोष नारायणन का है।

# तापसी ने अपने शादीशुदा रिश्ते और पति मैथियास को लेकर बात की

तापसी पन्नू अपनी शादी और पर्सनल जिंदगी को काफी सीक्रेट रखती हैं। उन्होंने पति मैथियास से शादी से पहले 13 साल तक डेट किया, लेकिन किसी को कानों कान खबर नहीं लगने दी। इसके बाद उन्होंने शादी भी बिना किसी हो-हल्ले के सिंपल तरीके से कर ली, जिसमें सिर्फ परिवार और करीबी ही शामिल हुए। अब हाल ही में तापसी ने बताया कि उन्हें किस तरह का रिलेशनशिप पसंद है और क्यों उन्होंने 13 साल बाद मैथियास को अपना हमसफर बनाया? एक्ट्रेस ने अपने शादीशुदा रिश्ते और पति मैथियास को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने मैथियास के बारे में कहा कि उन्होंने मुझे कभी भी रिश्ते का बोझ महसूस नहीं होने दिया। शादी के बाद भी कुछ खास बदलाव नहीं आया। मैं लगभग भूल ही जाती हूं कि मैं शादीशुदा हूं। शादी से पहले मेरी सिर्फ एक ही शर्त थी कि शादी के बाद भी सब कुछ पहले जैसा ही रहे। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरे लिए रिश्ते में सहजता और कंफर्ट सबसे महत्वपूर्ण रखता है। यही कारण है कि मैंने मैथियास से शादी की, क्योंकि उनमें एक सहजता है।

## मैं नहीं चाहती शादी से रिश्ते में बदलाव आए

मैथियास बो एक प्रसिद्ध और ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। अब वो भारत में भी कई खिलाड़ियों को कोचिंग दे रहे हैं। तापसी ने बताया कि शादी के बाद वो डेनमार्क नहीं गईं, बल्कि मैथियास यहां भारत में रहने लगे। मैथियास से शादी को लेकर तापसी ने कहा कि उनकी सहजता ही इसकी वजह थी। कोई भावनात्मक बोझ नहीं था, कोई बाध्यता नहीं थी। मैं कभी नहीं चाहती थी कि शादी पहचान में बदलाव का एहसास कराए। मेरा मानना है कि अगर रिश्ते में बदलाव आता, तो इसे औपचारिक रूप देने का कोई मतलब नहीं होता। हमें सचमुच एक-दूसरे के साथ रहना पसंद है। तभी हमने आगे बढ़ने का फैसला किया। क्योंकि लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में कई चुनौतियां आ रही थीं।

## शादी में एक-दूसरे पर निर्भर नहीं रहना चाहिए

तापसी का मानना है कि शादी में भी कभी एक-दूसरे पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उनका कहना है कि लड़कियों को शादी तभी करनी चाहिए, जब अपने बल पर खड़ी हो चुकी हों। उन्हें अपने पति पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, इससे रिश्ते में समानता बनी रहती है। उन्होंने बताया कि अपनी शादी में भी वो और मैथियास अपने-अपने पैसों का हिसाब अलग-अलग ही रखते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि शादी के बाद भी मैंने जो भी प्रॉपर्टी ली है, वो अपने नाम पर ही ली है। इससे एक-दूसरे पर निर्भरता नहीं आती।

# तापसी बहुत ही इंस्टिक्टिव अभिनेत्री है, वे बहुत सहज भी हैं, इसलिए यूनिक हैं

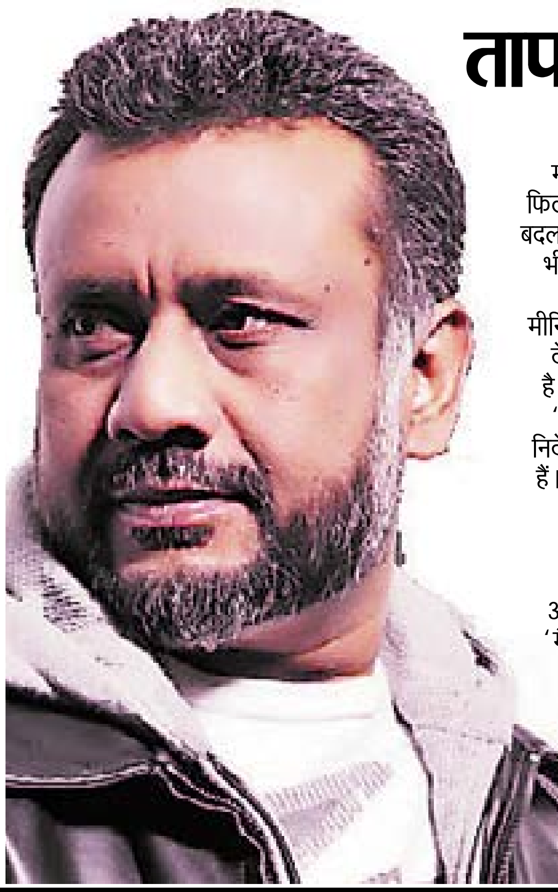

अनुभव सिन्हा उन फिल्मकारों में से हैं, जिन्हें मीनिंगफुल सिनेमा का चेहरा कहा जाता है। उनकी फिल्म देखकर थिएटर से निकलने के बाद अंदर कुछ बदल सा जाता है। इस पर वे कहते हैं, 'अगर ऐसा है, भी तो मैं इस पर यकीन नहीं करना चाहता, क्योंकि इससे मैं खुद को ज्यादा अहमियत देने लगूंगा। मैं मीनिंगफुल सिनेमा का चेहरा जैसे टैग को इग्नोर कर देता हूं, क्योंकि मेरा करियर काफी चलायमान रहा है।' वह तापसी पन्नू की तारीफ करते हुए कहते हैं, 'तापसी बहुत ही इंस्टिक्टिव अभिनेत्री है। वो अपने निर्देशक को बहुत गौर से सुनती हैं, उसे फील करती हैं। वे बहुत सहज भी हैं, इसलिए यूनिक एक्ट्रेस हैं।'

## 25 की उम्र में फिल्ममेकर बनने का खयाल, 'मुल्क' ने बदली धारा

अपनी बात आगे बढ़ाते हुए अनुभव सिन्हा कहते हैं, 'मैंने अपने करियर शुरुआत लव स्टोरी 'तुम बिन' से की, फिर आगे चलकर मैंने एक्शन फिल्म 'दस' बनाई। उसके बाद मैंने सुपरहीरो फिल्म बनाई और फिर मैं सोशियो पॉलिटिकल फिल्मों की तरफ आकर्षित हुआ। हो सकता है, मैं कल को कुछ और बनाने लगूं। देखिए, बचपन में तो मुझे पता ही नहीं था कि मैं फिल्ममेकर बनूंगा। 25 साल की उम्र में मुझे पता चला कि मैं फिल्मकार बनना चाहता हूं। मेरी एक ऐसी यात्रा रही, जहां फिल्ममेकिंग करियर था, मगर 'मुल्क' जैसी फिल्म ने काफी हद तक मेरे करियर की धारा मोड़ी। 'मुल्क' की आवाज ने जिस तरह से लोगों तक अपनी पहुंच बनाई, उसी ने मुझे इस विधा की ओर आकर्षित किया। मेरे करियर में हर जॉनर की 5-6 साल की जर्नी रही, मगर सोशियो पॉलिटिकल जॉनर में मैं सबसे ज्यादा रुक गया। ये सफर दस साल से चला आ रहा है। यहां मेरा कंफर्ट जोन सबसे ज्यादा है।'

## हमें बच्चों से वो बात करनी होंगी, बेटे को मर्द होने का फर्क समझाना होगा

हाल ही बच्चों के एक समूह द्वारा एक बच्ची की बलात्कार की खबर ने लोगों को हिलाकर रख दिया था। इस पर वह कहते हैं, 'ये वो बच्चे हैं, जिन्हें फिजिकल इंटिमेसी का सही अर्थ भी पता नहीं होगा। मुझे लगता है कि हमारी अपने बच्चों से कुछ बातचीतें रह गई हैं। हमें अपने बच्चों से और ज्यादा बात करने की जरूरत है। खास तौर पर अपने बेटों से। उन्हें एक मर्द होने का फर्क समझना होगा। उन्हें अपने अधिकार और ख्वाहिशों की सीमा मालूम होनी चाहिए, क्योंकि अपराध तभी शुरू होता है, जब आप अपनी ख्वाहिशों का दायरा लांघ जाते हैं।'

## मर्द के लिए औरत की तरह फील करना मुश्किल है

'अस्सी' के बारे में वह कहते हैं, 'इस फिल्म में मैं मानसिक रूप से बहुत खर्च हुआ हूं। मुझे औरत बनना पड़ता है। बहुत मुश्किल होता है एक मर्द के लिए औरत की तरह फील करना। हमारी वो ट्रेनिंग नहीं है। औरत होना बहुत मुश्किल है। ये कैसी विडंबना है कि जिसे हमने अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा किरदार माना है, जाने -अनजाने हमने उसका इस्तेमाल ही किया है। चाहे मां हो, बहन हो या पत्नी हो। मैं अपने दोस्तों से कहता हूं कि सड़क पर एक बार औरत बनकर चलने की कोशिश करो। वो दुनिया ही अलग है। एक बच्ची को बचपन से ही बता दिया जाता है कि वो अलग है। वो स्वच्छंद हो ही नहीं पाती।'

## छोटी फिल्मों को ज्यादा थिएटर भी नहीं मिल पाते

अनुभव सिन्हा अच्छा सिनेमा और बॉक्स ऑफिस की इसी बानगी में आगे बताते हैं, 'अब जैसे मेरी 'भीड़' और 'अफवाह' को बहुत अच्छे रियूज मिले, मगर वो एक अलग दौर था। लोगों का थिएटर से नाता टूट गया था। वो फिल्में गलत दौर में आईं। छोटी फिल्मों को ज्यादा थिएटर भी नहीं मिल पाते।

# संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में गुजरात बोर्ड के 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा शुरू

■ प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचकर परीक्षार्थियों का बढ़ाया हौंसला, दी शुभकामनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 26 फरवरी। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में गुजरात शिक्षा बोर्ड से संलग्न सभी स्कूलों के कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाएं आज से शुरू हो गई हैं। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने गुजरात बोर्ड की 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों से परीक्षा केन्द्र पर मिलकर उन्हें फूल, पेन और चॉकलेट देकर तनाव मुक्त होकर परीक्षा देने के लिए प्रोत्साहित किया। संघ प्रदेश प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों में जाकर छात्रों को फूल, पेन और चॉकलेट देकर उनका हौंसला बढ़ाया। संघ प्रदेश में पिछले 9 सालों से बोर्ड की परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को फूल देकर उनका हौंसला बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में आज परीक्षा के पहले दिन दादरा नगर हवेली और दमण-दीव जिलों में सभी परीक्षा केन्द्रों पर प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने सभी विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दीं। संघ प्रदेश के शिक्षा निदेशक ने बताया कि प्रदेश में गुजरात बोर्ड की परीक्षाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत व्यवस्था की गई है। सभी परीक्षा केंद्रों पर व्यापक व्यवस्था और पर्याप्त कर्मचारी तैनात किए गए हैं। दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के 10895 विद्यार्थी 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा देंगें, जिनके लिए कुल 11 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। जिसमें दमण में 10वीं एवं 12वीं में कुल 5 सेंटरों पर 3516, दानह में 4 सेंटरों पर 6200 तथा दीव में 2 सेंटरों पर 1179 विद्यार्थियों के लिये परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं, जिनके लिए कुल 31 सुपिरिंटेंडेंट, 527 निरीक्षक लगाए गए हैं। परीक्षा दो पाली में होगी। संघ प्रदेश के शिक्षा निदेशक ने छात्रों से आत्मविश्वास बनाए रखने, नियमों का पालन करने और अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर समय से काफी पहले पहुंचने की अपील की है।

# दमण पुलिस ने ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने हेतु शुरू किया रेगुलर चेक-इन और स्पेशल ड्राइव

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 26 फरवरी। दमण पुलिस विभाग ने नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए और ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रेगुलर चेक-इन और स्पेशल ड्राइव शुरू किया है। पुलिस विभाग ने इसमें नागरिकों से सहयोग की अपील भी की है।

**आप कैसे मदद कर सकते हो:** हम सभी ड्राइवरों से अनुरोध करते हैं कि वे इन आसान सुरक्षा स्टेप्स को फॉलो करके जिम्मेदारी से काम करें।

**सुरक्षा पहले:** गाड़ी चलाते समय हमेशा हेलमेट या सीट बेल्ट पहनें।

**स्पीड कंट्रोल:** कृपया ओवर-स्पीडिंग से बचें और लिमिट में रहें।

**विजिबिलिटी:** गाड़ी की खिडकियों पर ब्लैक फिल्म का इस्तेमाल न करें।

**नशे में गाड़ी न चलाएं:** कभी भी शराब पीकर गाड़ी न चलाएं। इससे आपकी और दूसरों की जान को गंभीर खतरा हो सकता है।

**डॉक्यूमेंटेशन:** अपने वैलिड ड्राइविंग डॉक्यूमेंट्स हमेशा अपने साथ रखें।

**भारी वाहनों के लिए दिशा-निर्देश:**
ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए, हम सभी भारी, वाहन चालकों से अपील करते हैं।

**पार्किंग:** कृपया हाईवे या मुख्य सड़कों पर पार्क न करें।

**पाबंदियों का पालन करें:** डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट के आदेश के अनुसार पीक आवर्स में रोक वाली जगहों पर न जाएं।

ए. डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट, दमण के ऑर्डर नंबर COL/DMN/MAG/ROAD/2025-26/106 तारीख 09.01.2026 के अनुसार, ट्रांसपोर्ट गाड़ियां, यानी ट्रक और टेम्पो, हर शनिवार और रविवार को 15:00 बजे से 23:00 बजे तक इन सड़कों पर चलने पर रोक है:

1. आंबावाडी जंक्शन से राजीव गांधी सेतु (नानी दमण और मोटी दमण को जोडने वाले ब्रिज)
2. मशाल चौक से धोबी तालाब और आगे राजीव गांधी सेतु तक।
3. वड चौकी से राजीव गांधी सेतु तक।

बी). डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट, दमण के 03.02.2026 के ऑर्डर नंबर COL/DMN/MAG/EST/163-BNSS-2023/2025-26/313 के अनुसार, ट्रांसपोर्ट गाड़ियां, यानी ट्रक और टेम्पो, हर दिन 16:00 बजे से 23:00 बजे तक नीचे दी गई सड़कों पर चलने पर रोक है:

1. सोमनाथ मंदिर से सोमनाथ जंक्शन, नानी दमण तक सड़क।
2. दाभेल चेकपोस्ट से डी-मार्ट कलारिया जंक्शन, नानी दमण तक सड़क।

**कम्प्लायंस:** कृपया ध्यान दें कि पार्किंग या सीमित घंटों से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने पर मुकदमा चलाया जाएगा।

**सख्त यातायात प्रवर्तन:** दमण पुलिस डिपार्टमेंट द्वारा पब्लिक इंटरेस्ट में जारी किया गया। हमारी सड़कों पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए, ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन, खासकर बिना हेलमेट गाड़ी चलाने, ब्लैक फिल्म का इस्तेमाल करने, शराब पीकर गाड़ी चलाने, हाईवे/सड़कों पर पार्किंग वगैरह के खिलाफ दमण ट्रैफिक पुलिस सख्ती से कार्रवाई करेगी। उल्लंघन के मामले में, कानूनी नियमों के मुताबिक गाड़ियां ज़ब्त की जा सकती हैं और ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड किया जा सकता है।

**लाइसेंस पर कार्रवाई:** अगर ट्रैफिक नियमों को नज़रअंदाज़ किया जाता है तो पुलिस सेक्शन 19 और 206 एमवी एक्ट के तहत ड्राइविंग लाइसेंस ज़ब्त कर लेगी और सस्पेंशन के लिए ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट को रिपोर्ट करेगी।

**नाबालिगों का गाड़ी चलाना:** माता-पिता और गाड़ी के मालिकों की जिम्मेदारी है कि वे सुनिश्चित करें कि नाबालिग गाड़ी न चलाएं। मोटर व्हीकल एक्ट के सेक्शन 199(ए) के तहत, गार्जियन और गाड़ी के मालिक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सभी नागरिकों, ड्राइवरों और विजिटर्स से रिक्वेस्ट है कि वे ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट पहनें, ओवर-स्पीडिंग से बचें, और गाड़ी चलाते समय वैलिड डॉक्यूमेंट्स साथ रखें। दमण में रोड सेफ्टी और ट्रैफिक को आसान बनाने के लिए लोगों का सहयोग ज़रूरी है। दमण पुलिस सभी रोड यूज़र्स से अपील करती है कि वे जिम्मेदारी से काम करें और दमण को सभी के लिए एक सुरक्षित जगह बनाने में मदद करें।

# वैदिक डेंटल कॉलेज ने औरा 2026 स्पोर्ट्स डे का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 26 फरवरी। दमण के दलवाडा स्थित वैदिक डेंटल कॉलेज में औरा 2026 स्पोर्ट्स डे का आयोजन किया गया। जिसमें वैदिक डेंटल कॉलेज के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष के छात्रों और इंटर्न टीमों के छात्रों की टीमों ने क्रिकेट और वॉलीबॉल टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। इस अवसर पर वैदिक डेंटल कॉलेज के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. एस. एस. वैश्य, एक्जीक्यूटिव सेक्रेटरी अस्पी दमणिया, डीन सिन्हा, प्रोफेसरों एवं स्टाफ तथा छात्रों ने रिबन काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। साथ ही उपस्थित महानुभावों ने छात्रों को प्रोत्साहित भी किया।

# सिलवासा यूथ क्लब ने राकेश सिंह चौहाण का मनाया जन्मदिन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 26 फरवरी। सिलवासा यूथ क्लब के हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राकेश सिंह चौहाण का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सिलवासा यूथ क्लब के सभी युवाओं ने प्राथमिक विद्यालय डुंगरी फलिया में जाकर बच्चों के साथ जन्मदिन मनाया। स्कूल के बच्चों द्वारा राकेश सिंह चौहाण के सम्मान में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर राकेश सिंह चौहाण के सुपुत्र कर्तव्य सिंह चौहाण ने विशेष रूप से उपस्थित रहकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, आनंद और सामाजिक एकता की भावना से परिपूर्ण रहा। राकेश सिंह चौहाण केवल एक लोकप्रिय जननेता हैं, बल्कि युवाओं और समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत भी हैं। उनकी एक आवाज़ पर हजारों युवा खड़े हो जाते हैं, जो उनके प्रति विश्वास और सम्मान को दर्शाता है। उनका जीवन समाजसेवा, नेतृत्व और जनकल्याण के प्रति समर्पण का प्रतीक है। साथ ही सिलवासा यूथ क्लब के सभी युवा भी बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए जन्मदिन को सेवा और संस्कार के रूप में मनाया। युवाओं की यह एकजुटता और सामाजिक सोच आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा है।

# दमण पुलिस ने 48 घंटे के भीतर डकैती का मामला सुलझाया: 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 26 फरवरी। कचीगाम पुलिस स्टेशन ने डकैती का केस रजिस्टर होने के 48 घंटे के अंदर सफलतापूर्वक सुलझा लिया है और क्राइम में शामिल 05 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दमण पुलिस द्वारा जारी प्रेसनोट में बताया गया है कि 21/02/2026 को गोरेगांव पश्चिम, मुंबई में रहने वाले दिलीप चिमनलाल मोदी से एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें उन्होंने बताया कि 21/02/2026 को रात के समय लगभग 02:00 बजे, 8-10 अज्ञात व्यक्तियों ने उनके कारखाने के परिसर में प्रवेश किया, उनकी कंपनी और आस-पास की दो कंपनियों के सुरक्षा गार्ड और श्रमिकों को बंधक बनाकर मारपीट की और 1115 किलोग्राम तांबे की छड़ और लगभग 4000 किलोग्राम तांबे के स्क्रैप की चोरी की। जिसकी कीमत 61,75,000 रूपये थी। साथ ही नकद 45,200 रूपये और दो मोबाइल फोन और एक सीसीटीवी डीवीआर और चोरी का सामान एक टेम्पो में ले गए। तदनुसार कचीगाम पुलिस स्टेशन दमण में बीएनएस 2023 की धारा 310(2), 331(4), 331(5), 324(4) के तहत मामला एफआईआर संख्या 14/2026 पंजीकृत किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस टीमें बनाई गईं और अलग-अलग सीसीटीवी फुटेज को एनालाइज़ किया गया और पता चला कि चोरी का सामान आरोपियों ने एमएच-04-केयू-6291 रजिस्ट्रेशन नंबर वाले एक टेंपो में ले जाया गया था। वह टेंपो मोराई, वापी, गुजरात से आरोपी ड्राइवर अकबर अली अहमद अली मनिहार और दो दूसरे आरोपियों, कबीर उस्मान शेख और बेतुल्लाह रुआब अली के साथ मिला। इसलिए वह टेंपो चोरी के सामान यानी कॉपर रॉड और कॉपर स्क्रैप के साथ कुल 5,540 किलोग्राम वज़न का बरामद किया गया। इसके अलावा, यह भी पता चला कि मुख्य साजिश करने वालों में से एक अब्दुलसलाम अब्दुलराब खान है, इसलिए उसे इस मामले में ट्रेस करके गिरफ्तार कर लिया गया। यह पता चला है कि फरार सह-आरोपी सूरत और मुंबई के अलग-अलग हिस्सों से हैं।

आगे की जांच के दौरान, फरार आरोपी व्यक्ति बदरे आलम महमूद आलम खान उर्फ बिल्डर को ठाणे, महाराष्ट्र से ढूंढकर इस मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। यह पता चला है कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों का एक जैसा क्रिमिनल रिकॉर्ड है। यह भी पता चला है कि आरोपियों ने मिलकर यह जुर्म किया है। इसके अलावा, यह भी पता चला है कि पहले, मौजूदा आरोपी बदरे आलम महमूद आलम खान उर्फ बिल्डर ने उसी जगह पर कॉपर की डकैती की थी। दूसरे फरार आरोपियों की तलाश में आगे की जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में अकबर अली अहमद अली मनिहार (33 वर्ष), निवासी रूम नंबर 302, साईं आस्था बिल्डिंग, डुंगरी फलिया, करवड़, वापी, गुजरात, मूल निवासी उत्तर प्रदेश, कबीर उस्मान शेख (50 वर्ष) निवासी विरार मंसुरी नगर ईस्ट महाराष्ट्र मूल निवासी मध्य प्रदेश, बेतुल्लाह रुआब अली (50 वर्ष) अशोक नगर, नारायण नगर, घाटकोपर महाराष्ट्र, मुल निवासी उत्तर प्रदेश, अब्दुस्सलाम अब्दुलराब खान (38 वर्ष), निवासी फ्लैट नंबर 102, सिल्वर हाइट, सुप्रीम अपार्टमेंट के सामने, खारीवाड़, नानी दमण एवं बद्रे आलम महमूद आलम खान उर्फ बिल्डर (39 वर्ष), निवासी वकनपाडा, वसई, पोस्ट-नालाओपारा पूर्व, जिला -

पालघर, महाराष्ट्र शामिल हैं। आरोपी अब्दुलसलाम अब्दुलराब खान एक आदतन अपराधी है जो पहले भी इसमें शामिल रहा है। उसके खिलाफ नानी दमण पीएस एफआईआर नंबर 172/17 धारा 380,454,411, 34 आईपीसी के तहत और नानी दमण पीएस एफआईआर संख्या 29/18 धारा 380, 454, 511, 34 आईपीसी के तहत मामले दर्ज हैं। 1 से 3 तक के आरोपी अभी ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं और 4 और 5 नंबर के आरोपी शनिवार तक पुलिस कस्टडी में हैं। आगे की जांच चल रही है। दमण पुलिस नागरिकों की सुरक्षा और अपराधियों और आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ तेजी से कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता दोहराती है।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)